PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 270 ● भिलाई, गुरुवार 07 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

42 आईएएस एवं आईएफएस अफसरों के तबादले, 7 जिलों के बदले गए कलेक्टर

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करते हुए एक साथ 42 आईएएस और 1 आईएफएस अधिकारियों की पोस्टिंग और अतिरिक्त प्रभारों में बड़े बदलाव किए गए हैं। अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव से लेकर कलेक्टर स्तर तक कई महत्वपूर्ण पदों पर नई तैनातियां की गई हैं। सरकार द्वारा जारी इस सूची में कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, वहीं कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

प्रशासनिक ढांचे को अधिक प्रभावी और गतिशील बनाने के उद्देश्य से यह फेरबदल किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, इस बदलाव के जरिए शासन ने विभिन्न विभागों में कामकाज की गति तेज करने और जमीनी स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित करने की कोशिश की है। कुछ जिलों में कलेक्टर स्तर पर भी बदलाव किए गए हैं, जिससे स्थानीय प्रशासन में नई ऊर्जा आने की उम्मीद जताई जा रही है। आदेश के अनुसार, कई विभागों जैसे सामान्य प्रशासन, ऊर्जा, राजस्व, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों में नई नियुक्तियां की गई हैं। कुछ अधिकारियों को उनके अनुभव के आधार पर अहम विभागों की जिम्मेदारी दी गई है। इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल को राज्य सरकार की रणनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है, जिसका असर आने वाले समय में प्रशासनिक कामकाज और योजनाओं के क्रियान्वयन पर साफ नजर आ सकता है।

ऋचा शर्मा (1994): अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ महानिदेशक (ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान) और विकास आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार। मनोज कुमार पिंगुआ (1994): अपर मुख्य सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग। सुबोध कुमार सिंह (1997): प्रमुख सचिव, ऊर्जा विभाग तथा अध्यक्ष (छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज) का अतिरिक्त प्रभार (वर्तमान कर्तव्यों के साथ)। निहारिका बारिक (1997): प्रमुख सचिव, गृह एवं जेल विभाग। शहला निगार (2001): प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा प्रमुख सचिव, समाज कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार। डॉ. रोहित यादव (2002): सचिव, वित्त विभाग के साथ जनसंपर्क विभाग और अध्यक्ष (पेंशन निराकरण समिति) का अतिरिक्त प्रभार। डॉ. कमलप्रीत सिंह (2002): सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग। परदेशी सिद्धार्थ कोमल (2003): सचिव, कृषि विकास एवं किसान कल्याण के साथ कृषि उत्पादन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार। रीना बाबा साहेब कंगाले (2003): सचिव, वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग का अतिरिक्त प्रभार। अविनाश चंपावत (2003) : सचिव उच्च शिक्षा विभाग। मुकेश कुमार बंसल (2005): सचिव, वाणिज्यिक कर (आबकारी एवं पंजीयन को छोड़कर) के साथ लोक निर्माण विभाग, विमानन विभाग, सचिव (मुख्यमंत्री) और एमडी (सीजीआरआईडीसी) का अतिरिक्त प्रभार। आर. संगीता (2005): सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग। बसवराजू एस. (2007): सचिव, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग।

शम्मी आबिदी (2007): सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा पुनर्वास विभाग के साथ राहत एवं पुनर्वास आयुक्त और आयुक्त (भू-अभिलेख) का अतिरिक्त प्रभार। पुष्पा साहू (2012): कलेक्टर, जिला-कोरिया। डॉ. संतोष कुमार देवांगन (2013): कलेक्टर, जिला-गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। चंदन संजय त्रिपाठी (2016): कलेक्टर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज। संतन देवी जांगड़े (2016): कलेक्टर, जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। पद्मिनी भोई साहू (2016): कलेक्टर, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़। रेना जमील (2019): कलेक्टर, जिला-सूरजपुर। विश्वदीप (2019): कलेक्टर, जिला-बीजापुर। संबित मिश्रा (2018): आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर तथा प्रबंध संचालक (स्मार्ट सिटी, रायपुर) का अतिरिक्त प्रभार। महादेव कावरे (2008): आयुक्त, सहकारिता एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां। श्याम लाल धावड़े (2008): आयुक्त, रायपुर संभाग, रायपुर। सारांश मित्तर (2010): मुख्य कार्यपालन अधिकारी (क्रेडा) तथा सचिव, ऊर्जा विभाग का अतिरिक्त प्रभार। पदुम सिंह एल्मा (2010): आयुक्त, आबकारी। संजीव कुमार झा (2011): प्रबंध संचालक (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) का अतिरिक्त प्रभार (वर्तमान कर्तव्यों के साथ)। ऋषभ कुमार पाराशर, भा.प्र.से. (2020), उप सचिव, वित्त विभाग को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ संचालक, बजट एवं संचालक, स्थानीय निधि संपरीक्षा का अति. प्रभार। रीता यादव, भा.प्र.से. (2019) को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त सचिव, माध्यमिक शिक्षा मंडल के पद पर पदस्थ किया गया है। मयंक अग्रवाल, भा.व.से. (2016) को संयुक्त सचिव, सुशासन एवं अभिसरण विभाग एवं संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का अति. प्रभार सौंपा गया है। डॉ. संजय कन्नौजे, भा.प्र.से. (2016) को संचालक, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व का अति. प्रभार। लीना कमलेश मण्डावी, भा.प्र.से. (2016) को प्रबंध संचालक, छ.ग. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड। रोक्तिमा यादव, भा.प्र.से. (2016) को आयुक्त, प्रबंध संचालक, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान का अति. प्रभार सौंपा गया है। डी. राहुल वेंकट, भा.प्र.से. (2015) को सचिव, छ.ग. लोक सेवा आयोग का अति. प्रभार सौंपा गया है। प्रभात मलिक, भा.प्र.से. (2015) को संचालक, उद्योग एवं संचालक, विमानन का अति. प्रभार। एस. जयवर्धन, भा.प्र.से. (2014) को संचालक, पेंशन का अति. प्रभार। डॉ. संतोष कुमार देवांगन, भा.प्र.से. (2013) को कलेक्टर, जिला-गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही। राजेन्द्र कुमार कटारा, भा.प्र.से. (2013) को संचालक, आयुष एवं पंजीयक, फर्म एवं संस्थाएं का अति. प्रभार। रणबीर शर्मा, भा.प्र.से. (2012) को संचालक, समाज कल्याण। राजेश सिंह राणा, भा.प्र.से. (2008) को संचालक, ग्रामोद्योग एवं प्रबंध संचालक, छ.ग. हाथकरघा विकास एवं विपणन संघ मर्यादित का अति. प्रभार। मो. कैसर अब्दुलहक, भा.प्र.से. (2007) को मिशन संचालक, जल जीवन मिशन का अति. प्रभार। एस. भारतीदासन, भा.प्र.से. (2006) को सचिव, संस्कृति विभाग एवं सचिव, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का अति. प्रभार। भुवनेश यादव, भा.प्र.से. (2006) को सचिव, वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग का अति. प्रभार। अंकित आनंद, भा.प्र.से. (2006) को केवल सचिव, वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग के अति. प्रभार से मुक्त किया गया है।

अंधेरे से उजाले की ओरः सुशासन ने बदली विशेष पिछड़ी जनजाति के दिव्यांग दंपति की जिंदगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव का एक प्रेरणादायक उदाहरण बलरामपुर जिले से सामने आया है, जहां विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के दृष्टिबाधित दंपति कृष्णा पहाड़ी कोरवा और उनकी पत्नी अनिता के जीवन में सरकारी योजनाओं ने नई रोशनी भर दी है। यह कहानी न केवल मानवीय संवेदनशीलता को दर्शाती है, बल्कि राज्य सरकार की अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है। ग्राम गोविंदपुर (सरगड़ी) निवासी इस दंपति के जीवन में वर्ष 2025 में राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर एक ऐतिहासिक परिवर्तन आया, जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं उन्हें प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित पक्के घर की चाबी सौंपी। वर्षों से कच्चे आवास और असुरक्षा में जीवन यापन कर रहे इस परिवार के लिए यह घर सम्मान और स्थायित्व का प्रतीक बन गया।

आवास के साथ ही आजीविका के क्षेत्र में भी इस दंपति ने आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत दोनों पति-पत्नी कार्यस्थलों पर श्रमिकों को पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2024-25 में 86 दिनों का रोजगार और वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक 14 दिनों का कार्य मिलने से उन्हें नियमित आय का स्रोत प्राप्त हुआ है।

हाईकोर्ट का फैसलाः मृत कर्मचारी का मुआवजा वास्तविक वेतन पर तय किया जाना चाहिये

बिलासपुर। उच्च न्यायालय ने कर्मचारियों के सहायता राशि मामले में एक महत्वपूर्ण फैसला देते हुए स्पष्ट किया कहा है कि किसी कर्मचारी की मौत के बाद उसके परिवार को मिलने वाला मुआवजा पुराने तय वेतन सीमा के आधार पर नहीं, बल्कि उसके वास्तविक (असल) वेतन के अनुसार तय किया जाना चाहिए।

दरअसल, मामला जगदलपुर के ट्रक चालक सत्येंद्र सिंह से जुड़ा है, जिनकी 15 दिसंबर 2017 को सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इसके बाद उनकी पत्नी, बच्चों और मां ने मुआवजे के लिए दावा किया था। श्रम न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए चालक की मासिक आय 9,880 रुपये मानी और करीब 9.49 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया लेकिन बीमा कंपनी ने इस फैसले को चुनौती दी। कंपनी का कहना था कि केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार अधिकतम वेतन 8,000 रुपये ही माना जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने अखबार में प्रकाशित पेयजल समस्या की खबर पर लिया त्वरित संज्ञान

मैनपाट। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरगुजा जिले के मैनपाट क्षेत्र की चेराजोबला बस्ती में पेयजल समस्या से संबंधित समाचार पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने समाचार पत्रों का अवलोकन करते समय नाला और ढोढ़ी के दूषित जल पर आज भी निर्भर हैं वनवासी शीर्षक से प्रकाशित खबर को गंभीरता से लिया और सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत को फोन कर प्रभावित बस्ती में शीघ्र पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चेराजोबला बस्ती में पेयजल संकट की स्थिति का तत्काल स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार हैंडपंप खनन, वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री साय ने यह भी कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के निवास वाले क्षेत्रों में पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ ज़मीन पर सुनिश्चित करना है।

टैगोर की जयंती पर नौ मई को बंगाल में आयोजित हो सकता है भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह

नयी दिल्ली। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर की जयंती 25 बैसाख (नौ मई) को पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नयी सरकार का शपथग्रहण समारोह हो सकता है।

गौरतलब है कि टैगोर की जयंती हर साल बंगाली महीना 25 गते बैसाख को मनाया जाता है। यह दिन बंगाल के लोगों के लिए काफी अहमियत रखता है। राज्य के लोग नोबेल पुरस्कार विजेता टैगोर की जयंती को काफी धूमधाम से मनाते हैं। इस दिन राज्यभर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस दिन राज्य में भाजपा की नयी सरकार के गठन के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजित हो सकता है।

इससे पहले भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आठ मई को कोलकाता में पार्टी विधायक दल की बैठक हो सकती है।

हर जरूरतमंद का बनवाएं आयुष्मान कार्ड : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों सेलोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्यमंत्री जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और आश्वस्त किया कि सरकार इलाज कराने में भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

योगी ने जनता दर्शन में आये लोगों का प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने अलग.अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया और साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्धए निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

जनता दर्शन में हर बार की तरह बुधवार को भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उनसे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और साथ ही भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल का इस्टीमेट मिलते ही विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी जाएगी। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए।

वोट चोरी के आरोप पर गरमाई सियासत, राहुल गांधी का चुनाव आयोग और सरकार पर हमला

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए वोट चोरी का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह खड़े किए।

राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि वोट चोरी से कभी सीटें चुराई जाती हैं, कभी पूरी सरकार। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा में भाजपा के 240 सांसदों में से लगभग हर छठा सांसद वोट चोरी से जीता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसे लोगों को क्या भाजपा की भाषा में घुसपैठिया कहा जाना चाहिए। हरियाणा का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, वहां तो पूरी सरकार ही 'घुसपैठिया' है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो संस्थाओं को अपने नियंत्रण में रखते हैं और मतदाता सूचियों व चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करते हैं, वे खुद रिमोट कंट्रोल से संचालित हैं। गांधी ने यह भी कहा कि निष्पक्ष चुनाव होने पर सत्ताधारी दल 140 सीटों के आसपास भी नहीं पहुंच पाएगा।

इस बीच, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर भी सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत विपक्ष के कई बड़े नेताओं ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। गौरतलब है कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्ष पुराने शासन का अंत कर दिया है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे हार की हताशा बताया है और कहा है कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है, जिस पर इस तरह के आरोप लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करते हैं।

हम चंपा संभ्यता की पांडुलिपियों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखेंगे

हैदराबाद हाउसः भारत और वियतनाम ने 13 समझौतों पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत दौरे पर आए वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम ने बुधवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पिछले साल जब भारत से पवित्र बौद्ध अवशेष वियतनाम भेजे गए, तो डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोगों ने उनके दर्शन किए थे। हम चंपा संभ्यता की पांडुलिपियों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखेंगे और इस अमूल्य विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखेंगे।

उन्होंने कहा, एक दशक पहले वियतनाम की मेरी यात्रा के दौरान वियतनाम आसियान में भारत का पहला व्यापक रणनीतिक साझेदार बना था। तब से हमारे संबंधों और हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है। सभ्यताओं के साथ-साथ हमारे व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन के संबंध भी मजबूत हुए हैं। इसी मजबूत नींव पर आगे बढ़ते हुए हम अपने संबंधों को आधुनिक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जा रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत और वियतनाम के बीच द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 16 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसके अलावा, उन्होंने अपने भारत दौरे की शुरुआत बोधगया से की। यह हमारे दोनों देशों की साझा सभ्यतागत और आध्यात्मिक परंपराओं को दर्शाता है। उनके इस दौरे और हमारी सार्थक चर्चाओं के माध्यम से हम अपनी आपसी सद्भावना को ठोस नतीजों में बदल रहे हैं। भारत और वियतनाम के बीच साझेदारी में विरासत और विकास, दोनों ही अहम हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे भारत में राष्ट्रपति तो लाम का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और कई व्यापारिक दिग्गजों के साथ उनका भारत दौरा स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि वह भारत-वियतनाम संबंधों को कितनी प्राथमिकता देते हैं।

दोनों देशों के बीच 13 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। जो इस प्रकार से हैं-

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड और वियतनाम के इंस्टीट्यूट फॉर टेक्नोलॉजी ऑफ रेडियोएक्टिव एंड रेयर एलिमेंट्स (आईटीआरआरई) के बीच आपसी सहयोग पर समझौता। भारत के संस्कृति मंत्रालय और वियतनाम के संस्कृति, खेल और पर्यटन मंत्रालय के बीच 2026-30 के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और वियतनाम के स्टेट बैंक (एसबीवी) के बीच भुगतान प्रणालियों और डिजिटल भुगतान में नवाचार के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता। भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत औषधि प्रशासन (डीएवी) के बीच चिकित्सा उत्पाद विनियमन के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता।

केरल में नयी सरकार के गठन को लेकर गतिविधियां तेज

नयी दिल्ली। केरल में नई सरकार के गठन को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं और मुख्यमंत्री पद के चयन पर मंथन अंतिम चरण में पहुंच गया है। कांग्रेस आलाकमान ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए वरिष्ठ नेताओं अजय माकन और मुकुल वासनिक को पर्यवेक्षक के रूप में राज्य भेजा है। दोनों नेता बुधवार शाम केरल पहुंचेंगे। दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद वे रवाना होंगे। केरल कांग्रेस विधायक दल की बैठक गुरुवार सुबह आयोजित की जाएगी, जिसमें विधायक अपनी राय रखेंगे। केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नियुक्त दोनों पर्यवेक्षक विधायकों से बातचीत कर अपनी रिपोर्ट कांग्रेस आलाकमान को सौंपेंगे। इसी रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में कई दिग्गज नेताओं के नाम चर्चा में हैं। इनमें वीडी सतीशन, सनी जोसेफ, रमेश चेन्निथला, केसी वेणुगोपाल और शशि थरूर जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। गौरतलब है कि हालिया विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत हासिल किया है।

कबीरधाम जिले सुदूर वनांचल क्षेत्र बारहपानी गांव तक पहाड़ों के बीच पहुंची पक्की सड़क

कवर्धा। कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल और पहाड़ी क्षेत्रों में बसे गांव, जो कभी विकास की मुख्यधारा से कटे हुए थे, तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। कठिन परिस्थितियों के कारण यहां के ग्रामीणों को आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब प्रधानमंत्री जनमन योजना से इन गांवों की तस्वीर बदल रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप मुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा के सतत प्रयासों से पहाड़ों की घाट कटिंग कर सुदूर वनांचल क्षेत्रों तक पक्की सड़कों का निर्माण किया गया है। कवर्धा विधानसभा अंतर्गत संभूपीपर से बारहपानी तक लगभग 5 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण किया गया है, जिसकी कुल लागत 3.89 करोड़ रुपए है। बारहपानी गांव, जिसकी कुल जनसंख्या 231 है, इस सड़क निर्माण के बाद अब विकास की गति प्राप्त कर रहा है। यह सड़क न केवल आवागमन का माध्यम बनी है, बल्कि गांव के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास की आधारशिला भी साबित हो रही है। संभूपीपर से बारहपानी तक सड़क निर्माण होने से क्षेत्र के लोगों के जीवन में बदलाव आया है। पहले जहां ग्रामीणों को बरसात के दिनों में पहाड़ी पगडंडियों से गुजरना पड़ता था, वहीं अब वे आसानी से वाहनों के माध्यम से अपने गंतव्य तक पहुंच पा रहे हैं। सड़क निर्माण से न केवल आवागमन सुगम हुआ है, बल्कि स्थानीय स्तर पर व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है। अब किसान अपनी उपज को बाजार तक आसानी से पहुंचा पा रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। साथ ही, क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। बारहपानी के निवासी गौतर बताते हैं कि पहले उनके गांव तक पहुंचने के लिए कोई सड़क नहीं थी। संभूपीपर से बारहपानी तक सड़ बन जाने से वाहन पहुंचने लगे हैं और चिल्फी व कवर्धा जैसे प्रमुख स्थानों तक जाना बेहद आसान हो गया है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सड़क उनके जीवन में एक नई उम्मीद लेकर आई है। अब वे भी विकास की मुख्यधारा से जुड़कर बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आया है। पीएमजीएसवाई विभाग के कार्यपालन अभियंता एस.के. ठाकुर ने बताया कि इस प्रकार के कार्यों का उद्देश्य सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ना है, ताकि वहां के निवासियों को सुविधाएं मिल सकें। प्रधानमंत्री जनमन योजना और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से आज कबीरधाम के वनांचल क्षेत्रों में विकास की नई राह खुल रही है।

बंगाल, असम, पुडुचेरी जीतने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष को दी बधाई

बेमेतरा। पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए को मिली ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व विजय पर रायपुर शहर जिला भाजपा प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा बेमेतरा राजेन्द्र शर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष भाजपा किरण देव से सौजन्य भेंट कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह विजय केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि देश की जनता के अटूट विश्वास, समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और मजबूत संगठन की जीत है। राजेन्द्र शर्मा ने इस ऐतिहासिक जीत पर सभी कार्यकर्ता साथियों को बधाई देते हुए कहा कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता ने दिन-रात मेहनत कर संगठन को मजबूत किया और जनता तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह परिणाम भाजपा की विचारधारा, राष्ट्र प्रथम की नीति और सेवा भाव से प्रेरित राजनीति की जीत है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास, सुशासन और गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, जिसका सीधा प्रभाव इन चुनाव परिणामों में स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है और देश की जनता ने एक बार फिर विकास की राजनीति पर अपना विश्वास व्यक्त किया है। राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार की योजनाएं–गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हित, युवा रोजगार एवं बुनियादी ढांचे के विकास–जन-जन तक पहुंच रही हैं, जिससे जनता का भरोसा लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में मिली यह जीत भाजपा के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है और आने वाले समय में संगठन और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की मेहनत से बंगाल में ऐतिहासिक परिणाम आया। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में संगठन को नई दिशा और ऊर्जा मिल रही है। साथ ही उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के समर्पण को इस विजय का प्रमुख आधार बताया। अंत में राजेन्द्र शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा और एनडीए आने वाले समय में भी जनसेवा, सुशासन और विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर रहकर देश और प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे तथा जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा उतरेंगे।

चरडोंगरी में 'कागज़ी दो दीवार' का खेल: 7.88 लाख की योजना में एक ही वाल खड़ा कर पूरा भुगतान

कवर्धा। मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के तहत ग्राम पंचायत चरडोंगरी में स्वीकृत ताली (नाली) निर्माण कार्य अब गंभीर सवालों के घेरे में है। वर्ष 2024-25 के लिए 7.88 लाख रुपये की स्वीकृति के साथ 07-06-2025 से 13-08-2025 के बीच कार्य पूर्ण दर्शाया गया है। कार्य एजेंसी के रूप में सरपंच, ग्राम पंचायत चरडोंगरी तथा जनपद पंचायत कवर्धा का नाम दर्ज है। लेकिन स्थल की स्थिति और सूचना के अधिकार से प्राप्त दस्तावेजों ने निर्माण और भुगतान प्रक्रिया पर गंभीर आपत्तियां सामने रख दी हैं। उक्त नाली निर्माण कार्य सुकदेव के घर से भोगेश्वर के घर तक, तालाब किनारे कराया गया है। स्थल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जहां दो साइड वॉल (दीवार) प्रस्तावित थीं, वहां केवल एक साइड वॉल का निर्माण किया गया है। दूसरी ओर तालाब में निर्मित रिटर्निंग वॉल को नाली की दूसरी दीवार के रूप में समाहित कर भुगतान आहरित कर लिया गया। तकनीकी दृष्टि से यह दो अलग प्रकृति के कार्य हैं, जिन्हें एक ही मद में जोड़ना वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। सूचना के अधिकार से प्राप्त अभिलेखों के अनुसार, नाली के एक वाल का निर्माण कर दोनों वाल का मूल्यांकन और सत्यापन दर्शाते हुए पूर्ण राशि आहरण कर ली गई। माप पुस्तिका (एमबी) में दो दीवारों का उल्लेख किया गया है, जबकि भौतिक स्थिति अलग संकेत देती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मापन, सत्यापन और भुगतान प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही अथवा मिलीभगत की आशंका बनती है। जनपद स्तर पर तकनीकी परीक्षण और भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। यह पूरा मामला इसलिए और संवेदनशील हो जाता है क्योंकि यह क्षेत्र प्रदेश के पंचायत मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। ऐसे क्षेत्र में विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और वित्तीय अनुशासन की अपेक्षा और अधिक रहती है। यदि जमीनी स्तर पर इस प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो यह शासन की साख और निगरानी व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 तथा शासकीय वित्तीय नियमों के अनुसार किसी भी निर्माण कार्य का भुगतान केवल वास्तविक, मापित और प्रमाणित कार्य के आधार पर किया जा सकता है। लोक निर्माण विभाग के तकनीकी मानकों के तहत नाली निर्माण में दोनों साइड वॉल का होना आवश्यक होता है, जिससे संरचना सुरक्षित और टिकाऊ रहे। एक दीवार के स्थान पर तालाब की रिटर्निंग वॉल को जोड़कर भुगतान लेना नियमानुकूल नहीं माना जा सकता। यदि दस्तावेजों में वास्तविकता से भिन्न प्रविष्टि की गई है, तो यह गंभीर वित्तीय अनियमितता का प्रकरण बनता है। ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों ने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। उनका कहना है कि कागजों में दर्ज निर्माण और धरातल पर मौजूद कार्य के बीच अंतर की तकनीकी जांच कराई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध वसूली और दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला स्तर पर एक स्वतंत्र जांच टीम गठित करने की मांग तेज हो गई है। मांग की जा रही है कि जिला प्रशासन, जिला पंचायत और तकनीकी विशेषज्ञों की संयुक्त टीम बनाकर स्थल निरीक्षण, माप पुस्तिका का सत्यापन, स्वीकृत एस्टीमेट का मिलान तथा भुगतान अभिलेखों की ऑडिट जांच कराई जाए। जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए ताकि पारदर्शिता बनी रहे और भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं पर अंकुश लगाया जा सके। अब प्रशासन की कार्रवाई पर सबकी नजर टिकी है। 7.88 लाख की इस परियोजना का वास्तविक मूल्यांकन और जिम्मेदारी तय होना आवश्यक है, ताकि जनहित की राशि का दुरुपयोग न हो और विकास कार्यों में विश्वास कायम रह सके।

एथेनाल विस्थापन आंदोलन की उम्र दराज महिलाएं आज भी प्रताड़ना झेलने मजबूर हैं

बेमेतरा। एथेनाल विस्थापन आंदोलन की उम्र दराज महिलाएं प्रताड़ना झेलने मजबूर हैं यह जानकारी देते हुए संतोष साहू, खेमराम साहू, दौना यादव, अजिताभ मिश्रा,नरेश साहू, सिद्दीक खान,चंदन साहू,गायत्री जोगी ने बताया कि इस जमाने में गलत को गलत कहना ही गलत है.इन लोगों ने बताया कि पथर्रा रांका में एथेनाल प्लांट के विरोध को अपने जीवन के अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष करने करवाकर बायोटेक एथेनाल प्लांट मालिक आज भी निर्बाध गति से धुंआ, बदबू और गंदा पानी उगल रहा है.इसका विरोध को पुलिस प्रशासन के दम पर दमन करके बायो टेक फ्यूल्स को खुली छूट दी जा चुकी है.गांव को प्रदूषण से बचाने, भारत के संविधान की धारा 21, जीने के अधिकार के तहत शांति पूर्ण विरोध करने वालों को सबक सिखाने, थोक के भाव से एफआईआर दर्ज की गई थी। अब प्लांट के आतंक को अपनी नियति मान कर चुप बैठ गए ग्रामीणों पर पुराने केस खोल कर एक बार पुनः कार्यवाही की जा रही है।

धनेली (बीही बारी) में मनरेगा कार्य ठप, फिर भी जारी मस्टरोल, कार्यक्रम अधिकारी की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न

कवर्धा। ग्राम पंचायत गांगी बहरा जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा अंतर्गत धनेली स्थित बीही बारी के पास मनरेगा के तहत स्वीकृत पुलिया निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। सूचना पट्ट के अनुसार कार्य प्रारंभ तिथि 14 मई 2025 है, किंतु पिछले लगभग 15 दिनों से स्थल पर निर्माण पूरी तरह बंद बताया जा रहा है।

इसके बावजूद मस्टरोल जारी होने और उपस्थिति दर्ज किए जाने की जानकारी ने प्रशासनिक जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। यह स्थिति महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के मूल प्रावधानों के विपरीत प्रतीत होती है। अधिनियम के तहत मजदूरी केवल वास्तविक कार्य के आधार पर देय है तथा कार्यस्थल पर पारदर्शिता, सूचना प्रदर्शन और सामाजिक अंकेक्षण अनिवार्य है। यदि कार्यस्थल पर गतिविधि शून्य है, तो मस्टरोल में दर्ज उपस्थिति नियमों का प्रत्यक्ष उल्लंघन मानी जाएगी। मनरेगा संचालन दिशानिर्देशों के अनुसार कार्यक्रम अधिकारी पर कार्यों की निगरानी, मस्टरोल सत्यापन और भुगतान पूर्व भौतिक निरीक्षण की स्पष्ट जिम्मेदारी निर्धारित है। ऐसे में कार्य बंद रहने के बावजूद मस्टरोल जारी होना प्रशासनिक लापरवाही या संभावित वित्तीय अनियमितता की ओर संकेत करता है। यदि बिना कार्य के मजदूरी का भुगतान हुआ है या प्रक्रिया प्रचलित है, तो यह भारतीय न्याय संहिता की धारा 316 (लोक सेवक द्वारा आपराधिक न्यासभंग) एवं धारा 318 (धोखाधड़ी) के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आ सकता है।

सेवानिवृत्त दो शिक्षकों को दी गई सम्मान बिदाई

बेमेतरा। बेमेतरा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम कन्या विद्यालय बेमेतरा में व्याख्याता द्वय दुर्गा राम साहू एवं योगेन्द्र वर्मा के सेवानिवृत्ति पर विद्यालय परिवार द्वारा बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। उक्त दोनों व्याख्याताओं ने फरवरी में अपनी अधिवार्षिकी पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। जिनके सम्मान में शिक्षा सत्र के अंतिम दिवस बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। दोनों सेवानिवृत्त व्याख्याताओं के मुख्य आतिथ्य में एवं प्राचार्य कविता बाचपेयी की अध्यक्षता कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम प्रमोद ठाकुर ने दोनों के नाम के अनुरूप कार्य व व्यवहार का सटीक विश्लेषण करते हुए दोनों के स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। एस एन अली ने साथ बिताए यादों को स्मरण करते हुए स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दिए। हिरेंद्र साहू एवं आराधना जोसेफने भी दोनों के कार्यशैली एवं व्यवहार को अनुकरणीय बताया। प्रधान पाठक रामेश्वर प्रसाद बंजारे ने सरल व बेदाग सेवाकाल के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दिए। प्राचार्य ने दोनों व्याख्याताओं के सरलता, समय व कार्य के प्रति सजगता की प्रशंसा करते हुए विद्यालय परिवार की ओर से सुखद एवं खुशनुमा जीवन की शुभकामनाएं दी। योगेन्द्र वर्मा ने अपने 43 वर्षों की सेवा के विशेष लम्हों को याद करते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है हम ऐसे नौनिहालों जिज्ञासुओं के बीच रहते हैं जिससे हमें सतत् सक्रिय और नई जानकारियां प्राप्त करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सभी से मिले सहयोग और अपनत्व के लिए आभार व्यक्त किया।

महंगाई के खिलाफ गैस सिलेंडर की शव यात्रा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में भव्य प्रदर्शन

बेमेतरा। बढ़ती महंगाई एवं घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में लगातार वृद्धि के विरोध में बेमेतरा जिला मुख्यालय में व्यापक एवं प्रभावी प्रदर्शन किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में शहर के सिग्नल चौक पर गैस सिलेंडर की प्रतीकात्मक अर्थी बनाकर उसकी शव यात्रा निकाली गई, जो आमजन के आक्रोश का प्रतीक बनी कांग्रेसजनों ने कहा कि गैस सिलेंडर के लगातार बढ़ते दामों के कारण शादियों-विवाह, घरेलू उपयोग तथा सार्वजनिक आयोजनों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आम जनता पर महंगाई का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे गरीब एवं मध्यम वर्ग का जीवन अत्यंत प्रभावित हुआ है। इसी जनहित के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी मैदान में उतरकर जनता की आवाज बुलंद कर रही है। शव यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सिग्नल चौक पहुंची, जहां केंद्र सरकार के खिलाफजोरदार नारेबाजी कर महंगाई के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन केवल एक विरोध नहीं, बल्कि आम जनता के हक और राहत के लिए उठाया गया मजबूत कदम है। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, शहर कांग्रेस कमेटी सहित कांग्रेस के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कविता साहू मंगत साहू अध्यक्ष जिला युवा कांग्रेस प्रांजल तिवारी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शकुंतला साहू, शहर ब्लॉक अध्यक्ष रश्मि मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य शशी प्रभा गायकवाड़, सुशीला जोशी, योगिता साहू, रूबी सलूजा, जनता साहू, नेमा निषाद, नीलम टंडन, बाल कुमारी (जिला पंचायत सदस्य), हेमिन यादव, मिथलेश वर्मा (ब्लॉक अध्यक्ष), झम्मन बघेल रवि रजक सीताराम यदु, मनोज शर्मा, भीखम साहू, वतन मिश्रा, दीपक दिनकर, संतोष पटेल, राजेन्द्र दुबे, बहल राम वर्मा, बलवंत साहू, मिंटा नामदेव, राम ठाकुर, हरि साहू, शिव वर्मा, हेमू साहू, मिथलेश वर्मा, संजय वर्मा, भाव सिंह राव बोधन साहू धनंजय साहू मोहित वर्मा प्रकाश साहू सरपंच जेवरी चंदू शितलानी, बहल वर्मा सोहित भीखम साहू संजय वर्मा, यासिफ खान, वाहिद रवानी, गुड्डू सेन एवं गोविंदा राजपूत शुभम सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। अंत में कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि महंगाई पर शीघ्र नियंत्रण नहीं किया गया।

कांग्रेस ने किया डोंगरगांव थाना का घेराव, ग्रामीण पदाधिकारी से अभद्रता के आरोप

अवैध शराब बिक्री की शिकायत से जुड़ा है मामला

डोंगरगांव नगर। अवैध शराब बिक्री की शिकायतों के मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने डोंगरगांव थाना का घेराव कर दिया। कांग्रेसजनों ने कांग्रेस के ग्रामीण पदाधिकारी द्वारा पुलिस से अवैध शराब बिक्री की शिकायत करने पर पुलिस द्वारा दबावपूर्वक एवं अभद्र पूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया। हालांकि कांग्रेस संगठन ने एकजुटता दिखाते हुए घेराव कर दिया। अंततः 2 घंटे की बहस के बाद पुलिस द्वारा खेद जताने से माजरा खत्म होने की खबर है। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मीडिया को अधिकारिक तौर पर बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की शिकायत को लेकर कांग्रेस के मारगांव क्षेत्र के पदाधिकारी एवं जनपद सदस्य के पति लीलेश पटेल ने पुलिस को कुछ दिनों पूर्व ही अवैध शराब की सूचना दी थी। इस पर पुलिस कार्रवाई को लेकर असंतोष जताया गया। कांग्रेसजनों की माने तो इसी दौरान थाना में पदस्थ प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी ने संबंधित जनप्रतिनिधि पर शराब पीकर बात करने की टिप्पणी कर दी। इस बातचीत से विवाद बढ़ गया। हालांकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि दूसरे दिन दबावपूर्वक लीलेश को थाने बुलाकर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। इसकी जानकारी लिलेश ने ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को देने के बाद स्वयं ब्लॉक अध्यक्ष टिकेश साहू कुछ प्रमुख पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ थाना में धमक पड़े। उपरांत बड़ी संख्या में नगर व ग्रामीण क्षेत्र के कांग्रेसी थाने पहुंचकर विरोध दर्ज कराया। घेराव के दौरान कार्यकर्ताओं ने थाने की अव्यवस्था को लेकर भी नाराजगी जताई। टीआई कक्ष में बैठकर उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। अंततः आईपीएस आदित्य कुमार द्वारा घटनाक्रम को लेकर खेद जताने के बाद माजरा शांत हो गया। हालांकि इस मामले में आईपीएस आदित्य कुमार ने किसी भी प्रकार के विवाद से इनकार किया है।

इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष टिकेश साहू के अलावा संजय मुतकुरे, रोशन यदु, मोहनीश साहू, चुम्मन साहू, सुंदर साहू, देवेंद्र साहू, मयंक यदु, महेश साहू, गोपाल टावरी, अखिलेश नखत, प्रियंक जैन, रितेश राजपूत, टिंकू देवांगन, पुष्पेन्द्र नेताम, लोकेन्द्र राजपूत, सतेश्वर पटेल, राकेश देवांगन, रोमन पटेल, अशोक साहू, भावेश श्रीवास्तव, अब्दुल खान, अमित ठाकुर सहित विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सांसद संतोष पाण्डेय की अनुशंसा पर विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 9.98 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

कवर्धा। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय की अनुशंसा पर कलेक्टर गोपाल वर्मा द्वारा कवर्धा और सहसपुर लोहारा विकासखंड के अलग-अलग ग्रामों में निर्माण कार्यों के लिए 9 लाख 98 हजार 700 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। निर्माण कार्य के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद कवर्धा, सहसपुर लोहारा को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है। सांसद संतोष पाण्डेय की अनुशंसा से ग्राम पंचायत लखनपुर कला में भवन निर्माण कार्य सरस्वती शिशु मंदिर के पास के लिए 4 लाख 99 हजार 900 रूपए, रामजानकी मंदिर के पास सांस्कृतिक मंच निर्माण के लिए 1 लाख 99 हजार 200 रूपए और ग्राम पंचायत गौरमाटी में मंदिर के साम्ने कांक्रीटीकरण कार्य के लिए 3 लाख 99 हजार 700 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की अनुशंसा पर विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 19.50 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा की अनुशंसा पर कलेक्टर गोपाल वर्मा द्वारा कवर्धा विधानसभा के अलग-अलग ग्रामों में निर्माण कार्यों के लिए 19 लाख 50 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। निर्माण कार्य के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी कवर्धा को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है। उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा की अनुशंसा से कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के कवर्धा शहर के वार्ड क्रमांक 16 मां दंतेश्वरी वार्ड में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपए और वार्ड 13/14 में महर्षि कश्यप चैक निर्माण के लिए 9 लाख 75 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है।

संक्षिप्त समाचार

डकैती का फरार आरोपी ऑन लाइन सट्टा चलाते गिरफ्तार

रायपुर। जिले में ऑपरेशन अंकुश के तहत जुआ-सट्टा और ऑनलाइन बेटिंग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। छाल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो पूर्व में दुष्कर्म और डकैती जैसे गंभीर मामलों में शामिल रह चुका है और लंबे समय से फरार था।पुलिस के मुताबिक, ग्राम बरभौना निवासी चंद्रभूषण डनसेना उर्फ चिन्दु ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चला रहा था। सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस टीम ने कुरकुट नदी पुल के पास घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की, जहां आरोपी को पकड़ा गया। उसके मोबाइल की जांच में ऑनलाइन सट्टे से जुड़े डिजिटल साक्ष्य, लेन-देन और दांव के रिकॉर्ड मिले।जांच में यह भी सामने आया कि रूपधर पटेल ने आरोपी को ?1500 ऑनलाइन ट्रांसफर कर मैच में दांव लगाया था। पुलिस ने उसे भी हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने सट्टा खेलने की बात स्वीकार की। उसके मोबाइल से फोन-पे ट्रांजेक्शन और व्हाट्सएप चैट के जरिए भुगतान के सबूत मिले।पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन और नगदी सहित करीब ?82,000 से अधिक की संपत्ति जब्त की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 6 और 7 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी चंद्रभूषण डनसेना पहले दुष्कर्म मामले में जेल जा चुका है और जमानत पर छूटने के बाद रायपुर में डकैती की वारदात को अंजाम देकर फरार चल रहा था। फरारी के दौरान वह ओडिशा, रायपुर और रायगढ़ के बीच छिपकर ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क संचालित कर रहा था।

नीलगाय मारकर, मांस पकाने की तैयारी करते 2 गिरफ्तार, 4 फरार

रायपुर। महासमुंद जिले के पिथौरा वन परिक्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां ग्रामीणों ने एक मादा नीलगाय को कुल्हाड़ी से मार डाला और उसके मांस को पकाने की तैयारी कर रहे थे। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि चार आरोपी फरार हो गए हैं।जानकारी के अनुसार, सुखीपाली गांव के शांतिनगर निवासी ईश्वर कुमार और टंकधर रात्रे सोमवार सुबह तेंदूपत्ता तोड़ने भालुडोंगरी क्षेत्र गए थे। इसी दौरान उन्होंने एक मादा नीलगाय को देखा, जिसे कुत्तों ने दौड़ाकर थका दिया था। मौके का फायदा उठाते हुए दोनों ने कुल्हाड़ी से हमला कर नीलगाय को मौत के घाट उतार दिया।इसके बाद आरोपी मृत नीलगाय को पास के खेत में ले गए और मांस पकाने की तैयारी करने लगे। इस दौरान अन्य ग्रामीण भी वहां पहुंच गए और उनकी मदद करने लगे। इसी बीच किसी ने वन विभाग को सूचना दे दी।सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी सुखराम निराला अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कार्रवाई करते हुए जोहित झरेखा को पकड़ लिया। पूछताछ के आधार पर एक और आरोपी सुरेंद्र झरेखा को गिरफ्तार किया गया। वहीं मुख्य आरोपी ईश्वर कुमार, टंकधर रात्रे, सचिन प्रधान और विद्याधर प्रधान मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है।वन विभाग ने सभी आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, मृत नीलगाय की उम्र करीब 4 वर्ष थी। पोस्टमार्टम के बाद नियमानुसार उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

पुलिस कमिश्नरेट का विशेष अभियान, दो आरोपी चाकू के साथ गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शहर में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने एवं असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त, मध्य जोन के मार्गदर्शन में दिनांक 03.05.2026 को सायं 07:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक मध्य जोन अंतर्गत विशेष सघन चेकिंग अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान मध्य जोन के विभिन्न प्रमुख एवं संवेदनशील स्थानों पर रणनीतिक रूप से नाकेबंदी प्वाइंट्स स्थापित कर क्षेत्र की प्रभावी सीलबंदी की गई। विशेष रूप से कालीबाड़ी चौक, जयस्तंभ चौक, फाफाडीह चौक, अग्रसेन धाम टर्निंग तथा फुंडहर चौक (एक्सप्रेस-वे) पर सघन नाकेबंदी कर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की बारीकी से जांच की गई। इसके साथ ही पेट्रोलिंग टीमों के अतिरिक्त एक विशेष टीम को अड्डेबाजी करने वाले तत्वों एवं सक्रिय बदमाशों की चेकिंग हेतु रवाना किया गया, जिससे भागने का प्रयास कर रहे अपराधियों पर भी त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उक्त अभियान के दौरान थाना मौदहापारा क्षेत्र में दुर्गा कॉलेज के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस टीम द्वारा तत्परता से घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से धारदार बटनदार चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गणेश वर्मा, पिता लच्छू वर्मा, उम्र 21 वर्ष, निवासी अशोक नगर, थाना गुढ़ियारी, जिला रायपुर बताया। आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तारी की गई है। इसी क्रम में एक अन्य कार्यवाही के तहत गोपाल दास मानिकपुरी, पिता भगवान दास, उम्र 37 वर्ष, निवासी चुनाभट्ठी शिव मंदिर के पास, थाना गंज, जिला रायपुर (छ.ग.) को शराब भट्ठी गंज के पास चेकिंग के दौरान पकड़ा गया, जिसके कब्जे से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

शाम ढलते ही सड़कों पर पुलिस का सख्त पहरा,हर वाहन रोका गया, हर संदिग्ध पर नजर

रायपुर। जिले में 3 घंटे चले आकस्मिक चेकिंग अभियान में 143 नियम तोड़ने वालों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर 8900 का जुर्माना वसूला गया और पूरे इलाके में सुरक्षा का मैसेज साफ-साफ दे दिया गया। नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश शर्मा के सख्त निर्देश पर 3 मई 2026 की शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक जिले के प्रमुख चौक-चौराहों, सड़क मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर नाकाबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया, जहां थाना और चौकी प्रभारियों की मौजूदगी में भारी पुलिस बल ने हर आने-जाने वाले वाहन और व्यक्ति की बारीकी से जांच की, रात में बाहर निकलने के कारण तक पूछे गए और संदिग्ध गतिविधियों पर खास नजर रखी गई, इस दौरान अवैध शराब, मादक पदार्थों और अन्य गैरकानूनी वस्तुओं की तस्करी रोकने पर फोकस रखा गया, साथ ही यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों को सीधे कार्रवाई का सामना करना पड़ा, मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत 143 लोगों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 8900 समन शुल्क मौके पर वसूला गया।

इनोवेशन महाकुंभ

1.0 बस्तर को इनोवेशन हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम-साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जगदलपुर में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र में प्रतिभा और संभावनाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल सही मंच, मार्गदर्शन और अवसर की है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को नवाचार और उद्यमिता के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर के समग्र विकास के लिए तैयार रोडमैप का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें रोजगार, शिक्षा, स्टार्टअप और अधोसंरचना का विशेष ध्यान रखा गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि नियद नेल्ला नार योजना का विस्तार कर इसे नियद नेल्ला नार 2.0 के रूप में 10 जिलों में लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ को इनोवेशन हब बनाने के उद्देश्य से नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-30 लागू की गई है। इस नीति के तहत युवाओं को आइडिया से लेकर व्यवसाय विस्तार तक हर स्तर पर सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता जैसी सुविधाओं से स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विकसित छत्तीसगढ़ का मार्ग विकसित बस्तर से होकर जाता है। उन्होंने कहा कि बस्तर में आदिवासी कला, लघु वनोपज, जैविक कृषि, पर्यटन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें तकनीक, ब्रांडिंग और ई-कॉमर्स से जोड़कर नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर में पर्यटन के बढ़ने से होमस्टे, स्थानीय गाइड, हस्तशिल्प और वनोपज की मांग बढ़ेगी, जिससे गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विश्वास जताया कि बस्तर का युवा

उद्यमिता के माध्यम से विकसित बस्तर, विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा। कार्यक्रम में नवाचार करने वाले बेस्ट आइडिया और बेस्ट स्टार्टअप के विजयी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि उद्यमिता और स्वरोजगार को अपनाकर युवा आगे बढ़ें, ताकि अपने घर-परिवार को खुशहाल बना सकें। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि इस इनोवेशन महाकुंभ के माध्यम से युवाओं को एक मंच मिला है, जिससे वे अपने नवाचार को आगे बढ़ाने के साथ ही आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वयं का व्यवसाय या स्वरोजगार स्थापित कर नौकरी देने वाले बनें और अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनें। इस अवसर पर सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप एवं विधायक जगदलपुर श्री किरण देव ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवाचार के जरिये उद्यमिता एवं स्वरोजगार अपनाकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सहभागिता निभाने के लिए युवाओं से आह्वान किया। कार्यक्रम के आरंभ में शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के कुलपति प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव ने इनोवेशन महाकुंभ आयोजन के उद्देश्य और विश्वविद्यालय की स्थापना सहित संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं नवोन्मेषी प्रयासों के बारे में विस्तारपूर्वक अवगत कराया। इस अवसर पर विधायक चित्रकोट श्री विनायक गोयल, छत्तीसगढ़ ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास मद्दी, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री रूपसिंह मंडावी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, महापौर श्री संजय पांडेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक जीत नए भारतके संकल्प की विजय-किरणदेव

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव परिणामों में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिली प्रचंड जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विकासवाद की जीत बताया है। देव ने पश्चिम बंगाल के नतीजों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार का गठन राज्य के इतिहास में एक नया अध्याय है। यह जीत भारतीय जनसंघ (अब भाजपा) के संस्थापक और बंगाल के महान सपूत अमर बलिदानी डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी को बंगाल की जनता की ओर से दी गई सबसे सच्ची और भावपूर्ण श्रद्धांजलि है। जिस 'एक विधान, एक निशान और एक प्रधान' का सपना उन्होंने देखा था, बंगाल की जनता ने उस पर अपनी मुहर लगा दी है। देव ने कहा कि असम की जनता ने लगातार तीसरी बार भाजपा पर भरोसा जताकर यह साबित कर दिया है कि उत्तर-पूर्व अब अलगाववाद नहीं, बल्कि विकास की मुख्यधारा के साथ मजबूती से खड़ा है। पुडुचेरी में भाजपा और गठबंधन के शानदार प्रदर्शन को उन्होंने सेवा और समर्पण की जीत बताया। प्रदेश अध्यक्ष देव ने इस ऐतिहासिक सफलता के लिए केंद्रीय नेतृत्व, छत्तीसगढ़ समेत संबंधित राज्यों के कर्मठ

कार्यकर्ताओं और जनता जनार्दन का आभार व्यक्त किया है। देव ने कहा कि यह नतीजे स्पष्ट करते हैं कि तुष्टीकरण की राजनीति का अंत हो चुका है और देश केवल 'राष्ट्रवाद' व 'अंत्योदय' की राजनीति को स्वीकार कर रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाया। हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए एवं इस ऐतिहासिक जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित अपने कठोर परिश्रम करके चुनावी राज्यों में कार्य करने वाले ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। भारतीय जनता पार्टी पर लोगों का विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है पश्चिम बंगाल जहाँ एक भ्रष्टाचारी एवं आता ताई सरकार को जनता ने उखाड़ कर वहाँ कमल खिलाया है। इसके साथ ही असम एवं पुडुचेरी में भाजपा पर भरोसा करते हुए पुनः भाजपा एनडीए को प्रचंड जीत देकर जनता ने अपना आशीर्वाद दिया है।

गांव पहुंच रहा प्रशासन कांसाबेल के खूंटीटोली में लगा सुशासन शिविर

- सुशासन तिहार 2026 के तहत बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण, समस्याएं और मांगें रखीं

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जशपुर जिले में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज कांसाबेल विकासखंड के ग्राम खूंटीटोली में जिला स्तरीय सुशासन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न विभागों के समक्ष अपनी समस्याएं एवं मांगें रखीं। मौके पर लगाए गए शासकीय स्टॉलों के माध्यम से विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र हितग्राहियों को तत्काल लाभ भी प्रदान किया गया। इस शिविर में टांगरगांव, हथगड़ा, बरजोर, नरियरडांड, पुसरा, फरसाजुड़वाईन, खूंटीटोली, चेटबा, सूजीबहार, ढुढरूडांड, जुमईकेला, छेराधोघरा और केनाडांड सहित कई गांवों के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि आमजन की समस्याओं का समाधान उनके गांव के निकट ही किया जाए। इसी उद्देश्य से सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ग्रामीणों से आत्मीय संवाद स्थापित कर समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का तत्काल परीक्षण किया जाए। जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव है, उन्हें तुरंत निराकृत किया जाए तथा शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को शीघ्र भेजा जाए। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ लेने आए प्रत्येक व्यक्ति को उसकी पात्रता के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में देने और अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्रामीणों से प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना, सौर सुजला योजना, लखपति दीदी योजना, स्व-सहायता समूह, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न योजनाओं से जुड़ने की अपील की। इसके अलावा उन्होंने श्रम योगी मानधन योजना, पेंशन योजनाओं और दिव्यांगजन योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया। कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने।

विधायक संगीता बनी छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की प्रभारी अध्यक्ष

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की सियासत से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। लंबे समय से जारी अटकलों पर विराम लगाते हुए दिल्ली आलाकमान ने संजारी बालोद की तेजतर्रार विधायक संगीता सिन्हा को छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस का प्रभारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की ओर से जारी आदेश के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।दिल्ली में चला मंथन, कई दिग्गज रेस में बताया जा रहा है कि इस पद के लिए लंबे समय से मंथन चल रहा था। जनवरी में दिल्ली में शक्ति प्रदर्शन और इंटरव्यू के बाद चयन प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंची

थी। इस दौरान अनिला भेड़िया, संगीता सिन्हा, छन्नी साहू, ममता चंद्राकर और तुलिका कर्मा जैसी कद्दावर नेत्रियों ने दावेदारी पेश की थी।सूत्रों के अनुसार मुकाबला मुख्य रूप से छन्नी साहू और संगीता सिन्हा के बीच माना जा रहा था, लेकिन अंततः आलाकमान ने संगीता सिन्हा पर भरोसा जताया।सियासी समीकरणों में सिन्हा का पलड़ा भारीराजनीतिक जानकारों की मानें तो संगठन के भीतर अलग-अलग गुट सक्रिय थे। जहां एक ओर कुछ नेता छन्नी साहू के समर्थन में थे, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खेमे से संगीता सिन्हा की दावेदारी मजबूत मानी जा रही थी। आखिरकार सभी समीकरणों को साधते हुए पार्टी ने सिन्हा के नाम पर मुहर लगा दी।कार्यकर्ताओं में उत्साह, जश्न का माहौलनियुक्ति की खबर मिलते ही बालोद और रायपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। पार्टी कार्यालयों में जश्न का माहौल देखने को मिला।आगे की चुनौतियांनई जिम्मेदारी संभालने के साथ ही संगीता सिन्हा के सामने महिला कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना बड़ी चुनौती होगी।

चलती ट्रेन से गिरकर युवक की, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में चलती ट्रेन से गिरकर एक यात्री की मौत हो गई. मृतक की पहचान उमेश गिरी 30 वर्ष के रूप में हुई है. वह रायपुर के काशी राम नगर का निवासी था. उमेश गिरी ट्रेन से रायपुर से भोपाल जा रहा था. इसी दौरान रेलवे ब्रिज के पास वह ट्रेन से नीचे गिर गया. हादसा इतना गंभीर था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही सिरगिट्टी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है. बताया जा रहा है कि मृतक के पिता का नाम राजेश्वर गिरी है. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक कैसे ट्रेन से गिरा-यह दुर्घटना थी या किसी अन्य कारण से गिरा.

नवाचार से करें क्षेत्र का विकास

बस्तर के युवाओं के लिए नवाचार की अपार संभावना-वित्त मंत्री चौधरी

- वित्तमंत्री शामिल हुए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 कार्यक्रम में

रायपुर/ संवाददाता

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में बस्तर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं, जिससे युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि देश की चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में बढ़ते भारत में बस्तर के युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बस्तर के युवाओं को वन उत्पाद, पर्यटन, कला-संस्कृति और कृषि से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में नवाचार के साथ कार्य कर क्षेत्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के युवा आर्थिक रूप से सशक्त बनकर समाज निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर आज नई आशा और नई दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में पूना मारगेम से जुड़े साथियों की भागीदारी का स्वागत करते हुए बस्तर के विकास में सहभागी बनने की बात कही। अपने संबोधन में उन्होंने कई प्रेरणादायक उदाहरण साझा किए, जिनमें लोगों ने विपरीत परिस्थितियों से निकलकर नवाचार के माध्यम से आर्थिक प्रगति हासिल की।श्री चौधरी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने स्वयं नौकरी छोड़कर कृषि व्यवसाय अपनाया और आत्मनिर्भरता हासिल की। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि माँ सरस्वती के उपासक बनेंगे तो माँ

लक्ष्मी स्वयं साथ आएंगी, आज का युग ज्ञान आधारित है, इसलिए युवाओं को अपनी क्षमता और कौशल का निरंतर विकास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि अनुशासन भी सिखाते हैं। अनुशासन के साथ ईमानदारी से प्रयास कर ही बेहतर भविष्य का निर्माण संभव है। साथ ही उन्होंने युवाओं को उद्यमिता (इंटरप्रेन्योरशिप) में जोखिम लेने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने बस्तर की पूर्व परिस्थितियों और दंतेवाड़ा जिले में कलेक्टर के रूप में अपने कार्यकाल के अनुभवों का भी उल्लेख किया, जिससे उपस्थित युवाओं को प्रेरणा मिली। विश्व विद्यालय द्वारा बस्तर के युवाओं हेतु नवाचार के लिए आयोजित इस कार्यक्रम की भी उन्होंने सराहना की। कार्यक्रम में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे ।

युवाओं को दिया नवाचार का संदेश

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने बस्तर स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में पहुंचकर विभिन्न स्टॉल्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों तथा बस्तर के युवाओं द्वारा विकसित नवाचारों को करीब से देखा और उनके प्रयासों की सराहना की। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि यदि हम माँ सरस्वती के उपासक बनेंगे, तो माँ लक्ष्मी स्वयं हमारे साथ आएंगी। उन्होंने ज्ञान और कौशल को सफलता की कुंजी बताते हुए युवाओं को निरंतर सीखने और खुद को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज का दौर ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का है, जिसमें नवाचार और तकनीकी कौशल की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपने विचारों को प्रदर्शित करने का मंच मिलता है।

संपादकीय

दो राष्ट्रों की जिद की जंग में फंसा होर्मुज जलमार्ग

होर्मुज जलमार्ग का संकट और गहरा गया है, क्योंकि ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बना हुआ है। वैश्विक तेल आपूर्ति में बाधा आ रही है, जिससे दुनिया भर में ऊर्जा संकट पैदा हो गया है और कीमतें बढ़ रही हैं।ईरान और अमेरिका के बीच पहले युद्धविराम और फिर शांतिवार्ता की शुरुआत से यह उम्मीद जगी थी कि शायद होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही फिर से सामान्य हो सकेगी। यह मुद्दा सिर्फ इन दोनों देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों के लिए बेहद अहम है। लेकिन हालात एक बार फिर उलझते नजर आ रहे हैं। इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित कर दिया। तब से अब तक उस रास्ते से केवल चीन और कुछ गिने-चुने देशों के जहाजों के गुजरने की ही खबर है।ऐसे में भारत समेत कई देशों के लिए यह निराशाजनक स्थिति है। एक तरफ ईरान इस मार्ग को खोलने के लिए तैयार नहीं है, तो दूसरी ओर अमेरिका ने आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए इलाके की नाकेबंदी का ऐलान कर दिया है, जिससे संकट और गहरा गया है। अब ईरान अपनी शर्तों पर अड़ा है कि जब तक अमेरिका नाकेबंदी नहीं हटाएगा, तब तक मार्ग बंद रहेगा। वहीं अमेरिका भी अपनी जिद पर कायम है कि जब तक ईरान रास्ता नहीं खोलेगा, तब तक प्रतिबंध जारी रहेंगे।सवाल यह है कि अगर दोनों पक्ष इसी तरह अड़े रहे, तो क्या शांति की कोशिशें कभी किसी ठोस नतीजे तक पहुंच पाएंगी? एक अजीब स्थिति यह है कि युद्धविराम के बावजूद दोनों देश सीधे हमले नहीं कर रहे, लेकिन होर्मुज जलमार्ग सहित मध्य-पूर्व से तेल और गैस की आपूर्ति अब भी प्रभावित है। इसके कारण कई देशों में ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है, तेल भंडार घट रहे हैं, महंगाई बढ़ रही है और रसोई गैस की कमी से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।यानी इस टकराव की सबसे बड़ी कीमत वे देश चुका रहे हैं, जो इस संघर्ष का हिस्सा भी नहीं हैं। क्या अमेरिका और ईरान को यह नहीं सोचना चाहिए कि उनके अड़ियल रुख के कारण दुनिया की बड़ी आबादी संकट झेलने को मजबूर है?गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग दुनिया के सबसे अहम रणनीतिक समुद्री मार्गों में से एक है। वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 से 25 प्रतिशत हिस्सा इसी संकरे रास्ते से गुजरता है। इस इलाके में ईरान की स्थिति मजबूत मानी जाती है। शांति वार्ता से पहले ईरान ने इस मार्ग को खोलने के संकेत दिए थे, लेकिन युद्धविराम के बावजूद इजराइल द्वारा लेबनान पर हमले जारी रहने के बाद उसने फिर से आवाजाही रोक दी।अमेरिका और इजराइल समेत अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने के लिहाज से होर्मुज को बंद करना ईरान की रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जबकि अमेरिका की ओर से लगातार आ रही चेतावनियां हालात को और जटिल बना रही हैं। अगर यही स्थिति बनी रही, तो न युद्धविराम का कोई असर दिखेगा और न ही शांति वार्ता आगे बढ़ पाएगी ङ्क और सबसे बड़ा सवाल यही रहेगा कि इस टकराव का आखिर हासिल क्या होगा?

सवालों का सामना करेगी आम आदमी पार्टी?

राजनीति सपने दिखाते हुए लोगों से उन्हें पूरा करने के वायदे करती है, लेकिन लोगों को उन्हीं राजनीतिक दलों के दिखाए सपनों पर भरोसा होता है, जिनकी साख होती है। लोकतंत्र में साख हासिल करने का सबसे बड़ा और जांचा-परखा हथियार आंदोलन ही है। कई बार जनाकांक्षाओं के उफान में आंदोलन से उभरी राजनीति को सफलताएं मिल भी जाती हैं, लेकिन वे लंबे समय तक टिक नहीं पातीं। उनमें बिखराव शुरू हो जाता है। आम आदमी पार्टी के साथ भी क्या ऐसा ही हो रहा है? राघव चड्ढा की अगुआई में आप के दस में से सात सांसदों के बगावती होने और बीजेपी में शामिल होने के बाद कुछ ऐसे ही सवाल उठ रहे हैं।

(उमेश चतुर्वेदी)

यह पहला मौका नहीं है कि अन्ना आंदोलन से उभरी केजरीवाल की आम आदमी पार्टी से बड़े नाम निकले हैं। आम आदमी पार्टी के संस्थापकों में शामिल रहे योगेंद्र यादव और मशहूर वकील प्रशांत भूषण को पार्टी ने शुरू में ही या तो निकाल दिया था या वे निकल गए थे। प्रशांत भूषण के पिता शांति भूषण ने आम आदमी पार्टी की स्थापना के लिए भारी रकम दी थी।

राजनीति सपने दिखाते हुए लोगों से उन्हें पूरा करने के वायदे करती है, लेकिन लोगों को उन्हीं राजनीतिक दलों के दिखाए सपनों पर भरोसा होता है, जिनकी साख होती है। लोकतंत्र में साख हासिल करने का सबसे बड़ा और जांचा-परखा हथियार आंदोलन ही है। कई बार जनाकांक्षाओं के उफान में आंदोलन से उभरी राजनीति को सफलताएं मिल भी जाती हैं, लेकिन वे लंबे समय तक टिक नहीं पातीं। उनमें बिखराव शुरू हो जाता है। आम आदमी पार्टी के साथ भी क्या ऐसा ही हो रहा है? राघव चड्ढा की अगुआई में आप के दस में से सात सांसदों के बगावती होने और बीजेपी में शामिल होने के बाद कुछ ऐसे ही सवाल उठ रहे हैं।

इतने सांसदों के एक साथ पार्टी छोड़ने से आप की बौखलाहट स्वाभाविक है। पार्टी की ओर से राघव चड्ढा और उनके साथियों पर आरोप लगाया जा रहा है कि उन्होंने ईडी और केंद्रीय एजेंसियों के दबाव में पाला बदल लिया है। इस आरोप के बाद पहला सवाल तो आम आदमी पार्टी पर ही उठता है। ईडी या सीबीआई का डर तो उसे ही होगा, जो भ्रष्टाचारी हो। चूंकि आम आदमी पार्टी का उभार देशव्यापी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से हुआ था, भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी शासन देने का उसका वादा भी रहा। ऐसे में अगर उसके सांसद भ्रष्टाचार के डर से पाला बदलते हैं तो इसका मतलब तो यही निकलेगा कि भ्रष्टाचार खत्म करने का दावा करने वाली पार्टी में भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। अगर ऐसा नहीं होता तो उसका सांसद भ्रष्टाचार में कैसे शामिल हो सकता है? अगर शामिल भी हुआ तो उसके नेतृत्व ने इसकी रोकथाम के लिए कोई कारगर कदम क्यों नहीं उठाया। सवाल यह भी उठता है कि क्या भ्रष्टाचार रोकने वाली पार्टी भी दूसरी पार्टियों जैसी क्यों बन गई?

इंदिरा सरकार की जन विरोधी नीतियों और कांग्रेसी सरकारों में भ्रष्टाचार के खिलाफ 1970 के दशक में जेपी आंदोलन हुआ था। उस आंदोलन में शामिल हो रहे लोगों को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने जयप्रकाश नारायण को एक पत्र लिखा था। जेपी आंदोलन का एक लक्ष्य व्यवस्था को बदलना भी था। चंद्रशेखर ने अपने पत्र में आशंका जताई थी कि आंदोलन में शामिल होने वाले नेता व्यवस्था में बदलाव के लिए नहीं, सत्ता के लिए आ रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा था कि सत्ता में आने के बाद ये ही नेता व्यवस्था का हिस्सा बन जाएंगे और भविष्य में अपनी-अपनी जातियों के नेता बन जाएंगे। उन नेताओं की ओर देखते हैं तो पाते हैं कि चंद्रशेखर की आशंका सच हुई। उस आंदोलन से निकलने नेताओं में से ज्यादातर पारिवारिक पार्टियों के नेता हैं और ज्यादातर पर भ्रष्टाचार को लेकर मुकदमे चल रहे हैं। जेपी आंदोलन में उभरे नेताओं का जातीय आधार पर टिकी राजनीति के चलते अस्तित्व बचा हुआ है, लेकिन असम से घुसपैठियों को बाहर निकालने वाले आंदोलन से उभरी पार्टी असम गणपरिषद के नेताओं के बारे में आज देश कितना जानता है? जबकि केजरीवाल की तरह उसके नेताओं ने छात्रावास से निकल कर सीधे सत्ता के गलियारों पर कब्जा कर लिया था।

यह पहला मौका नहीं है कि अन्ना आंदोलन से उभरी केजरीवाल की आम आदमी पार्टी से बड़े नाम निकले हैं। आम आदमी पार्टी के संस्थापकों में शामिल रहे योगेंद्र यादव और मशहूर वकील प्रशांत भूषण को पार्टी ने शुरू में ही या तो निकाल दिया था या वे निकल गए थे। प्रशांत भूषण के पिता शांति भूषण ने आम आदमी पार्टी की स्थापना के लिए भारी रकम दी थी। अन्ना आंदोलन में अरविंद केजरीवाल के साथ कंधा से कंधा भिड़ाकर खड़ी रही पूर्व पुलिस अधिकारी किरण बेदी को भी जल्द ही पार्टी से अलग राह चुननी पड़ी थी। पार्टी का शुरू के दिनों से ही बड़ा चेहरा रहीं शाजिया इल्मी भी वहां की बजाय अब भारतीय जनता पार्टी में हैं। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रहे आनंद कुमार हों या फिर कैलाश गहलोत, सबको केजरीवाल की अगुआई वाली पार्टी से अलग राह चुननी पड़ी है।

जब भी किसी दल से कोई नेता बगावत करके नई राह चुनता है, तब वह दल विशेष उसे गद्दार कहता है। राघव चड्ढा की अगुआई में केजरीवाल के खिलाफ बगावत करके नई राह चुनने वाले सांसदों को भी गद्दार कहा जाना कोई नई बात नहीं है। वैसे अपने निजी अहम् या अनदेखी के चलते दलों को छोड़ना या फायदे के लिए दल बदलना भारतीय राजनीति में जाना-पहचाना है। इस लिहाज से देखें तो आम आदमी पार्टी से बगावत होना भी नया नहीं कहा जाएगा। लेकिन सवाल यह उठता है कि जिस पार्टी की डेढ़ दशक की उम्र भी नहीं हुई, उसके महत्वपूर्ण नेता आखिर क्यों उसे छोड़कर निकल रहे हैं? यह सवाल और भी महत्वपूर्ण इसलिए हो जाता है, क्योंकि इस बार पार्टी छोड़ने वाले नेताओं में से राघव चड्ढा और संदीप पाठक तो पार्टी के शुरूआती दिनों से रणनीतिकार और संगठक रहे हैं। दोनों केजरीवाल के नजदीक भी माने जाते रहे। दिल्ली से राज्यसभा सांसद बनने से पहले स्वाति मालीवाल भी केजरीवाल की करीबी मानी जाती रहीं। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने आम आदमी पार्टी के एजेंडे को ही आगे बढ़ाया। उनका कार्यक्षेत्र दिल्ली ही था, लेकिन मणिपुर और दूसरे बीजेपी शासित राज्यों के कथित महिला अत्याचारों की जांच करने वह इसीलिए पहुंचती रहीं, ताकि बीजेपी को अपने दलीय एजेंडे के तहत कठघरे में खड़ा किया जाए। मुख्यमंत्री निवास में उनसे हुई कथित मारपीट के बाद से वे बगावती हैं। राघव चड्ढा के साथ जाकर उन्होंने अपनी बगावत को सियासी वैधता देने की कोशिश की है।

आप में इस बड़ी बगावत का सीधा फायदा निश्चित तौर पर बीजेपी को ही होगा। अगले साल गुजरात और पंजाब में चुनाव हैं। गुजरात में आप बार-बार तीसरा कोण बनाने की कोशिश करती है। बगावत से उसके जमीनी कार्यकर्ताओं पर असर पड़ेगा और तीसरा कोण बनाने में वह शायद ही सफल हो पाए। उत्तर भारत में भारतीय जनता पार्टी के लिए पश्चिम बंगाल के बाद पंजाब पर निगाह है। वहां वह अब तक कायदे से उपस्थिति भी दर्ज नहीं करा पाई है। याद करना चाहिए कि राघव लंबे समय तक पंजाब के प्रभारी रहे हैं। आप ने पिछला विधानसभा चुनाव भी उनके ही प्रभार में जीता था। बीजेपी इन नेताओं के जरिए पंजाब में आप के किले में सेंध लगाने की कोशिश करेगी। वैसे भी चड्ढा के साथ गए नेताओं में सबसे ज्यादा पंजाब से ही चुनकर आए हैं। वैसे इस बगावत से पंजाब की राजनीति में कांग्रेस को राह भी आसान हो सकती है। उसके छिटके हुए कार्यकर्ता भी उसकी ओर लौटना शुरू कर सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक का हिस्सा होने के चलते स्थानीय स्तर पर कांग्रेसी नेताओं के लिए आप सरकार का कड़ा विरोध कर पाना आसान नहीं था। संसदीय दल में बगावत के चलते उनका भी मनोबल बढ़ सकता है।

वैसे इन नेताओं की संसद सदस्यता खत्म कराने को लेकर भी राजनीतिक दांवपेच शुरू हो गए हैं। कपिल सिब्बल ने तो तर्क ही दे दिया है कि किसी पार्टी में शामिल होने के लिए टूटे हुए गुट को पहले दल बनाना होता है। राघव की अगुआई वाले नेताओं ने यह कदम ना उठाते हुए सीधे अलग होकर बीजेपी में शामिल होने का ऐलान कर दिया है। इस तर्क के जरिए राज्यसभा सभापति को आम आदमी पार्टी चिट्ठी भी देने जा रही है। सिब्बल के दिए तर्क को लेकर बीजेपी ने सोचा नहीं होगा, ऐसा मानना बेवकूफी होगी। जाहिर है कि बीजेपी ने भी सोचकर पत्ते खेले हैं। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले अगर वहां के आप विधायकों में भी बड़ी टूट-फूट हो तो हैरत नहीं होनी चाहिए। क्योंकि बागी नेताओं की अगुआई में ऐसी कोशिशें होना स्वाभाविक है।

आम आदमी पार्टी में अब तक छोटी बगावतें होती रही हैं। लेकिन यह पहला मौका है, जब संसदीय दल का बड़ा हिस्सा अलग हो चुका है। ऐसे में पार्टी नेतृत्व को अपने गिरेबान में झांकना होगा। उसे विचार करना होगा कि आखिर उसके किले में कहां सुराख है और वह किस वजह से बड़ी हो रही है। राजनीति में कहा जाता है कि सत्ता ऐसी गोंद होती है, जिससे दलीय कार्यकर्ता चिपके रहते हैं। आप के पास पंजाब की सत्ता है, फिर भी अगर बड़ी बगावत होती है, तो निश्चित तौर पर उसके पीछे गहरी नाराजगी और उसके कारण होंगे। लेकिन सवाल यह है कि क्या आप का नेतृत्व इस दिशा में सोचना शुरू करेगा।

युद्ध की आग में आर्थिक अवसर, ईरान की आक्रामक रणनीति

(अखिलेश आर्येंदु)

मौजूदा परिदृश्य में ईरान का रुख बिल्कुल साफ है कि अमेरिका और इजराइल के आगे वह झुकने वाला नहीं है। उसका इरादा उसके इस एलान में भी साफ नजर आता है कि युद्ध अमेरिका और इजराइल ने शुरू किया था, लेकिन खत्म ईरान की इच्छा से ही होगा, यानी उसने अमेरिका और इजराइल को स्पष्ट तौर पर यह संदेश दिया है कि उसे धमकियों से डराया नहीं जा सकता। ईरान सोची-समझी रणनीति के तहत अमेरिका समर्थित अरब देशों को निशाना बना रहा है। यहां तक कि दुबई पर भी हमले कर रहा है, जहां दुनिया के करीब दो सौ देशों के लोग रहते हैं। सवाल है कि दुबई पर हमला करके ईरान को क्या फायदा मिल रहा है या भविष्य में मिल सकता है? इसके लिए दुबई की 'धनकुबेर' वाली छवि को समझना होगा और यह भी जानना होगा कि दुबई पर ईरान के हमलों के पीछे की रणनीति या कूटनीति किस तरह की है? ईरान इस संघर्ष को ऐसे अवसर के रूप में देख रहा है, जो आगे चलकर उसकी अर्थव्यवस्था के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। दुबई पर उसका हमला इसी दूरदृष्टि का परिणाम है। ईरान जानता है कि अमेरिकी दोस्त दुबई की धनकुबेर वाली छवि को खराब करने के लिए उस पर हमला करना जरूरी है। लोग घबराकर दुबई को छोड़ कर एक सुरक्षित जगह की तलाश करेंगे, जिसका असर उसकी अर्थव्यवस्था पर तो पड़ेगा ही, उसकी धनकुबेर वाली छवि भी खराब हो सकती है। ईरान के हमलों से वहां के कारोबार और पर्यटन पर गहरा असर पड़ेगा, जिससे उसकी आमदनी भी प्रभावित होगी। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल दुबई में दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए थे, जिससे उसकी बड़े पैमाने पर आमदनी हुई। ईरान के हमलों से दुबई जाने वाले लोगों की संख्या में कमी आएगी, जिसका अप्रत्यक्ष रूप से उसे फायदा होगा।

पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि होर्मुज जलमार्ग को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो उसके ऊर्जा संयंत्रों को नष्ट कर दिया जाएगा। मगर इससे दबाव में आने के बजाय ईरान ने पलटवार करते हुए कहा कि यदि अमेरिका की ओर से हमले की कार्रवाई की गई, तो कड़ा जवाब दिया जाएगा। इन बयानों से दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा और शेयर बाजारों में भी भारी गिरावट देखी गई। ईरान की कूटनीति और रणनीति अब भी आक्रामक प्रतिक्रिया वाली है। वह अमेरिका की चेतावनियों और धमकियों का जवाब उसी अंदाज में दे रहा है। ऐसे में वह कहना बहुत मुश्किल है कि दोनों पक्षों के बीच युद्ध कब तक थमा रहेगा। इस युद्ध में ईरान में अब तक हताहतों की तादाद इजराइल से भले ज्यादा हो, लेकिन वह एक कदम भी पीछे हटने का संकेत नहीं दे रहा है, उल्टे इस संघर्ष में वह कमाई करने का मौका देख रहा है। यही वजह है कि ईरान बेहद सधी रणनीति से आगे बढ़ते हुए अपने ध्वस्त ढांचों को फिर से खड़ा करने और संघर्ष में धन की कमी को पूरा करने के लिए तेल को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। मौजूदा परिदृश्य में ईरान का रुख बिल्कुल साफ है कि अमेरिका और इजराइल के आगे वह झुकने वाला नहीं है। उसका इरादा उसके इस एलान में भी साफ नजर आता है कि युद्ध अमेरिका और इजराइल ने शुरू किया था, लेकिन खत्म ईरान की इच्छा से ही होगा। हाल ही में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया। यह घोषणा अमेरिका की ओर से की गई, लेकिन ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को अभी भी अवरुद्ध कर रखा है। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान को बंद पड़े इस समुद्री मार्ग को न खोलने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जा रही है, दूसरी तरफ ईरान इसे कमाई के अवसर के रूप में देख रहा है। दरअसल, ईरान ने होर्मुज जलमार्ग में अपने लिए 'एक सुरक्षित कॉरिडोर' तैयार किया है, जो लार्क द्वीप के आसपास से होकर गुजरता है।

इस नई व्यवस्था के जरिए संघर्ष की स्थिति में भी ईरान कमाई के साधन बढ़ाने की कोशिशों में जुटा है। मीडिया रपटों के मुताबिक, अमेरिका की धमकियों से ईरान दबाव में आने के बजाय बेखौफ होकर अपनी रणनीति और कूटनीति के साथ सधे कदमों से काम कर रहा है। ईरान के एक सांसद के मुताबिक, होर्मुज जलमार्ग से गुजरने वाले तेल के चुनिंदा जहाजों पर ईरान की ओर से लगभग दो मिलियन डालर का शुल्क लगाया जा रहा है। हालांकि, जब से अमेरिका ने समुद्र में नाकेबंदी शुरू की है, तब से इस कार्य में ईरान के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं।

पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि होर्मुज जलमार्ग को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो उसके ऊर्जा संयंत्रों को नष्ट कर दिया जाएगा। मगर इससे दबाव में आने के बजाय ईरान ने पलटवार करते हुए कहा कि यदि अमेरिका की ओर से हमले की कार्रवाई की गई, तो कड़ा जवाब दिया जाएगा। इन बयानों से दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा और शेयर बाजारों में भी भारी गिरावट देखी गई। ईरान की कूटनीति और रणनीति अब भी आक्रामक प्रतिक्रिया वाली है। वह अमेरिका की चेतावनियों और धमकियों का जवाब उसी अंदाज में दे रहा है। ऐसे में वह कहना बहुत मुश्किल है कि दोनों पक्षों के बीच युद्ध कब तक थमा रहेगा। इस युद्ध में ईरान में अब तक हताहतों की तादाद इजराइल से भले ज्यादा हो, लेकिन वह एक कदम भी पीछे हटने का संकेत नहीं दे रहा है, उल्टे इस संघर्ष में वह कमाई करने का मौका देख रहा है। यही वजह है कि ईरान बेहद सधी रणनीति से आगे बढ़ते हुए अपने ध्वस्त ढांचों को फिर से खड़ा करने और संघर्ष में धन की कमी को पूरा करने के लिए तेल को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। मौजूदा परिदृश्य में ईरान का रुख बिल्कुल साफ है कि अमेरिका और इजराइल के आगे वह झुकने वाला नहीं है। उसका इरादा उसके इस एलान में भी साफ नजर आता है कि युद्ध अमेरिका और इजराइल ने शुरू किया था, लेकिन खत्म ईरान की इच्छा से ही होगा, यानी उसने अमेरिका और इजराइल को स्पष्ट तौर पर यह संदेश दिया है कि उसे धमकियों से डराया नहीं जा सकता। ईरान सोची-समझी रणनीति के तहत अमेरिका समर्थित अरब देशों को निशाना बना रहा है। यहां तक कि दुबई पर भी हमले कर रहा है, जहां दुनिया के करीब दो सौ देशों के लोग रहते हैं। सवाल है कि दुबई पर हमला करके ईरान को क्या फायदा मिल रहा है या भविष्य में मिल सकता है? इसके लिए दुबई की 'धनकुबेर' वाली छवि को समझना होगा और यह भी जानना होगा कि दुबई पर ईरान के हमलों के पीछे की रणनीति या कूटनीति किस तरह की है? ईरान इस संघर्ष को ऐसे अवसर के रूप में देख रहा है, जो आगे चलकर उसकी अर्थव्यवस्था के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। दुबई पर उसका हमला इसी दूरदृष्टि का परिणाम है। ईरान जानता है कि अमेरिकी दोस्त दुबई की धनकुबेर वाली छवि को खराब करने के लिए उस पर हमला करना जरूरी है। लोग घबराकर दुबई को छोड़ कर एक सुरक्षित जगह की तलाश करेंगे, जिसका असर उसकी अर्थव्यवस्था पर तो पड़ेगा ही, उसकी धनकुबेर वाली छवि भी खराब हो सकती है। ईरान के हमलों से वहां के कारोबार और पर्यटन पर गहरा असर पड़ेगा, जिससे उसकी आमदनी भी प्रभावित होगी। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल दुबई में दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए थे, जिससे उसकी बड़े पैमाने पर आमदनी हुई। ईरान के हमलों से दुबई जाने वाले लोगों की संख्या में कमी आएगी, जिसका अप्रत्यक्ष रूप से उसे फायदा होगा।

पश्चिम एशिया में जब से संघर्ष की शुरुआत हुई है, तब से तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसका फायदा उठाकर ईरान अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश में जुटा है। दूसरी तरफ होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है। विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध की वजह से ईरान को ढांचागत क्षति के साथ अतिरिक्त प्रतिबंधों का भी सामना करना पड़ सकता है, लेकिन तत्काल ऊर्जा की कीमतें उसके लिए एक आर्थिक हथियार के रूप में काम कर रही हैं। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत सहित दुनिया के कई देशों से कह चुके हैं कि रूस से तेल ज्यादा से ज्यादा खरीदा जाना चाहिए, जिससे दुनिया में ऊर्जा का कोई गंभीर संकट न पैदा हो। इससे रूस को फायदा हो रहा है और इसके परिणामस्वरूप ईरान को अप्रत्यक्ष रूप से मदद मिल रही है। चूंकि रूस और चीन के साथ ईरान के संबंध बेहतर हैं, इसलिए उसे इन देशों से आर्थिक और कूटनीतिक सुरक्षा मिल रही है।

यह सच है कि ईरान की अर्थव्यवस्था तेल और प्राकृतिक गैस के निर्यात पर टिकी है, जो दुनिया के सबसे बड़े जीवाश्म ईंधन भंडारों में से एक है।

मणिनागेंद्र सिंह मोनू भैया - पीड़ित मानवता की सेवा में समाहित हैं स्मृतियां

दीनानाथ गुर्जर

पीढ़ियों के सेवा संस्कार का अनुसरण कर रहे, पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल के पुत्र मणि नागेंद्र सिंह मोनू भैया अपनी जीवन यात्रा को इतनी जल्दी विराम दे जाएंगे, यह किसी ने सोचा नहीं था। विशाल हृदय के मोनू भैया, हृदय गति के सामने बेबस हो गये। विधि के इस विकट विधान के आगे किसकी चली है। सिर्फ सांसें ही नहीं, पूरी दुनिया ही थम गई। उनकी स्मृतियां अब पीड़ित मानवता की सेवा में समाहित हैं।

एक हंसता खेलता जीवन, दूसरों की पीड़ा को अपना समझने वाला जीवन, सभी की सहायता के लिए तत्पर जीवन, संवेदनाओं से भरपूर जीवन। इस जीवन में स्पंदन शेष है, हर एक उस कार्य में जो सामाजिक सरोकारों से जुड़ा है। हर उस चेहरे की मुस्कान में, जो पीड़ा से उबरा है। मां नर्मदा की उन लहरों में, जो स्वच्छ घाटों को छूकर गुजरी हैं।मणिनागेंद्र सिंह मोनू भैया आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा थे। वो एक ऐसा उभरता हुआ सितारा थे जो हर समस्या का समाधान थे। जो भी उनके पास किसी उम्मीद में आया तो निराश नहीं लौटा।

हर समस्या का समाधान मोनू भैया: 34 वर्षीय मणिनागेंद्र सिंह पटेल, पूरे नरसिंहपुर में जन जन के मोनू भैया थे। पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल के पुत्र मणिनागेंद्र सिंह, अपने पिता और दादा मुलाम सिंह पटेल और अपने ताऊ मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से प्रेरित थे और सामाजिक कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से जनता के प्रति समर्पित थे। हमेशा उनके साथ एक ढाल की तरह खड़े रहते। वह हमेशा युवा पीढ़ी के साथ समाज के कल्याण के सही मार्ग पर उनका मार्गदर्शन करने के लिए खड़े रहते हैं। जो कोई भी शख्स उनके पास किसी भी समस्या के निराकरण के लिए आया तो वह बिना समाधान खाली हाथ नहीं गया।

कोरोना काल मे बेमिसाल सेवा: कोरोना काल के दौरान मोनू एवं उस पर जान छिड़कने वाली मित्र मंडली ने क्षेत्रवासियों की जो सेवा की, वह लोग कभी भुला न पायेंगे। सैकड़ो परिवारों को राशन,दवाई एवं जरुरत की चीजें पूरे लाकडाउन के दौरान निरंतर निशुल्क वितरित की गई। जब

आक्सीजन की कमी आई तो अपने संपर्कों के दम पर आक्सीजन की पूर्ति करवाई। जिन कोरोना पाजिटिव को उनके परिजन छूने तैयार नही थे उन्हें मोनू भैया और उनकी टीम के लोगों ने आवश्यक सावधानी बरत कर हास्पिटल पहुंचाया और उनकी जान बचाई। घरों में कोरन्टाइन/आइसोलेट मरीजो एवं उनके परिजनो को भोजन-पानी, सब्जी,राशन ,दवा इत्यादि पहुंचाने की उन कठिन क्षणो में चुनौतीपूर्ण व्यवस्था का जिम्मा मोनू पटेल ने उठाया था। परिणाम स्वरूप स्वयं अपने परिजनों सहित पाजिटिव हो गये। हास्पिटल मे रहते हुये भी उन्होंने सेवा अभियान को शिथिल नही होने दिया और अस्पताल से ही मानिटरिंग जारी रही। कोरोना काल में निरंतर सेवा का आपातकालीन अभियान क्षेत्र वासियों को हमेशा याद रहेगा।

गरीबों की सेवा में सदैव तत्पर: मणि नागेंद्र सिंह मोनू भैया गरीब जनता के हितैषी थे। जिसे जहां, जैसी मदद की जरूरत पड़ी उसे पूरा करने में पीछे नहीं रहे। मोनू पटेल ने अपने पिता की तरह ही जनता के किसी भी विषय में मदद करने का हर सफल प्रयास किया। जरूरत के अनुसार खाद्य सामग्री, आर्थिक सहायता और अन्य कोई सहायता, जो भी मोनू भैया के पास आया वो फिर निराश नहीं लौटा।

जनसुनवाई से सुलझे अनेक मामले: मोनू भैया और उनकी टीम हर गुरुवार को जनसुनवाई का आयोजन करती थी। निजी स्तर पर यह एक बड़ी पहल थी। जनसुनवाई में पारिवारिक मसलों से लेकर बड़े से बड़े आपराधिक मामलों तक हर मामले को सुलझाते थे। आपसी मनमुटाव से बढ़े विवादों में मोनू भैया की सुनवाई से हल निकल आते थे। आम लोगों को उन पर कितना भरोसा था यह इस बात का प्रमाण है कि जन सुनवाई से निकाले गये समाधान को दोनों पक्ष स्वीकार करते थे। देश भर में विवादों के हल की यह एकमात्र पहल थी।

राजनीति में काफी सक्रिय रहे मोनू: मोनू पटेल क्षेत्र की राजनीति में काफी सक्रिय रहते थे। ऐसा माना जाता था कि आगामी समय में पिता की विरासत वही संभालेंगे। मोनू पटेल की जिले के युवाओं में खासी पकड़ थी, उनके निधन से नरसिंहपुर जिले के लोगों ने अपना सच्चा हितैषी खो दिया। गोटेगांव समेत पूरे प्रदेश में आज भी शोक का माहौल है, उनके चाहने वाले हर दिन स्व मोनू भैया को याद करते है। देखा जाये तो यह सितारा अपनी बुलंदियों पर आने से पहले ही बुझ गया।

मणिनागेंद्र सिंह मोनू भैया की स्मृति शेष: गोटेगांव में स्व मणिनागेंद्र सिंह पटेल उर्फ मोनू पटेल के पुण्य स्मरण के मौके पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। स्मृतियों को जीवंत रखने के लिए मणि नागेंद्र सिंह फाउंडेशन की स्थापना की गई है। उनके नाम पर सैनिक स्कूल भी खोला गया है जहां रोजाना बच्चों की अल्हड़ हंसी गूंजती है। बच्चे इस स्कूल में अनुशासन का पाठ भी सीख रहे हैं जो जीवन को बेहतर करने का आवश्यक तत्व है। मणि नागेंद्र सिंह फाउंडेशन एवं एसकेएमजी के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान किया जाता है। छात्रों को श्रीमद्भागवत गीता तथा अन्य धार्मिक पुस्तकें देकर उन्हें धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया जाता है। मणि नागेंद्र सिंह की खेलों में रुचि थी, हर साल उनकी स्मृति में खेलों का आयोजन खिलाड़ियों को प्रेरणा देता है। मोनू भैया की स्मृति में मां नर्मदा का स्वच्छता अभियान प्रति वर्ष चलाया जाता है। कार्यकर्ता शहर में भी स्वच्छता अभियान चलाते हैं।

राजा हिरदेशाह की प्रतिमा स्थापना में अग्रणी: नरसिंहपुर जिले के केरपानी में जब राजा हिरदेशाह की विशाल प्रतिमा स्थापित की जा रही थी उस आयोजन में मणि नागेंद्र सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण थी। कार्यक्रम की तैयारियों में वह अपनी युवा टोली के साथ बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे थे। मां नर्मदा के प्रति उनके मन में असीम श्रद्धा थी और अपने क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास को सामने लाने का उत्साह भी था।

एथेनाल विस्थापन आंदोलन की उम्र दराज महिलाएं आज भी प्रताड़ना झेलने मजबूर

बेमेतरा। एथेनाल विस्थापन आंदोलन की उम्र दराज महिलाएं प्रताड़ना झेलने मजबूर है यह जानकारी देते हुए संतोष साहू, खेमराम साहू, दौना यादव, अजिताभ मिश्रा,नरेश साहू, सिद्दीक खान,चंदन साहू,गायत्री जोगी ने बताया कि इस जमाने में गलत को गलत कहना ही गलत है.इन लोगों ने बताया कि पथर्रा रांका में एथेनाल प्लांट के विरोध की अपने जीवन के अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष करने करवाकर बायोटेक एथेनाल प्लांट मालिक आज भी निर्बाध गति से धुंआ, बदबू और गंदा पानी उगल रहा है.इसका विरोध को पुलिस प्रशासन के दम पर दमन करके बायो टेक फ्यूल्स को खुली छूट दी जा चुकी है।गांव को प्रदूषण से बचाने, भारत के संविधान की धारा 21, जीने के अधिकार के तहत शांति पूर्ण विरोध करने वालों को सबक सिखाने, थोक के भाव से एफआईआर दर्ज की गई थी। अब प्लांट के आतंक को अपनी नियति मान कर चुप बैठ गए ग्रामीणों पर पुराने केस खोल कर एक बार पुनः कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में पुलिस टीम आज पथर्रा के ग्राम पंचायत में कैंप करके एफ आई आर के नामजद लोगों के विवेचना कार्यवाही कर रही है।प्रशासनिक कार्यवाही की हद तो ये है कि 90 वर्ष की महिला गंगा साहू और परीक्षा दिलाने वाले छात्र हेमंत साहू दिनेश साहू तक पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जबकि ग्रामीणों की आवाज और मांग पर एक भी कार्यवाही नहीं की गई है। इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि महिला आयोग के उस आदेश को रद्दी की टोकरी में फेक दिया गया है,जिसमें रोहित सचदेव पर एफ आई आर की अनुशंसा की गई थी।आज पानी के लिए पूरे क्षेत्र की स्थिति गंभीर और दयनीय है, ऐसे क्रिटिकल वाटर जोन में एथेनाल जैसे भारी पानी बर्बाद करने वाले प्लांट को तरजीह दी जा रही है, जबकि पूरे जिले में कृषि कर अपने जीवन यापन करने वालों पर धान के नाम पर प्रतिबंध की कार्यवाही की जा रही है आगे बताया गया है। विगत दिनों में प्रताड़ित ग्रामीणों ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर रखी है,। उच्च न्यायालय के डर से एस डी एम ने विगत दिन आनन फानन में बेक डेट में 151 का मुकदमा खारिज किया गया है।जिसमें एक साल से ऊपर चले मुकदमे में छह माह चलने की बात लिखी गई है। जिस पर उच्च न्यायालय में संज्ञान लिया है।वर्तमान में पीड़ित ग्रामीणों को न्याय की उम्मीद उच्च न्यायालय से है। जिसके लिए परिवाद दायर किया गया है।

एक दूसरे को खिलाई झालमुरी-मिठाई, भाजपाइयों ने मनाया तीन राज्यों में मिली जीत का जश्न

सरायपाली। पश्चिम बंगाल, असम एवं पांडिचेरी में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में सरायपाली में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ भव्य विजय उत्सव मनाया गया। मेन रोड स्थित जन आशीर्वाद कार्यालय (सांसद रूपकुमारी चौधरी के कार्यालय के समक्ष) में भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने आतिशबाजी कर, फटाके फोड़कर एवं मिठाइयाँ वितरित कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। पूरे क्षेत्र में उत्सव का उल्लासपूर्ण वातावरण रहा। यह विजय मात्र चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि जन-जन के अटूट विश्वास, समर्पण और राष्ट्रहित के प्रति दृढ़ संकल्प की सशक्त अभिव्यक्ति है। यह सफलता विकास, सेवा और सुशासन के एक नए स्वर्णिम अध्याय के शुभारंभ का संकेत देती है। भाजपा जिला अजा मोर्चा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने एक स्वर में पार्टी की नीतियों, विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर अटूट विश्वास व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। यह विजय उत्सव न केवल खुशी का प्रतीक रहा, बल्कि कार्यकर्ताओं के उत्साह, एकजुटता और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का भी परिचायक बना। इस कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से पूर्व कार्यकारी भाजपा जिलाध्यक्ष संजय शर्मा, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष विपिन उबवेजा, पिछड़ा वर्ग कल्याण सलाहकार परिषद छ. ग. प्रदेश सदस्य कामता पटेल, नगरीय निकाय प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक चन्द्रकुमार पटेल, किसान मोर्चा संभाग प्रभारी धनेश नायक, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष पुष्पलता चौहान,अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद सागर जनपद उपाध्यक्ष मुकेश चौधरी, प्राधिकृत अध्यक्ष एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष महेन्द्र सिंह, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिला संयोजक तोषनाथ यादव, महिला मोर्चा जिला महामंत्री तारेश्वरी नायक, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला महामंत्री लालकुमार पटेल, जनपद पंचायत सभापति उद्धव नंद, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मनोज दास, महिला मोर्चा जिला मंत्री वर्षा साहू, मंडल महामंत्री विदित धनानिया, मंडल महामंत्री सुरोतीलाल लकड़ा, मंडल उपाध्यक्ष तरुण बारीक, मंडल कोषाध्यक्ष जागेश्वर चन्द्रा, पूर्व पार्षद जयप्रकाश यादव, पार्षद प्रतिनिधि आशीष सेन, पार्षद प्रतिनिधि देवराज चौहान, जनपद सदस्य प्रतिनिधि शिव पटेल, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष रोहित साहू, अजा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मोहन चौहान, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सोहन पटेल, उमाकांत मिश्रा, नरेन्द प्रधान, नकुल चौहान, गोविन्द प्रधान एवं प्रकाश सिंह पारेश्वर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घोटमर्रा उपकेंद्र में 5 एमवीए ट्रांसफार्मर स्थापित, 11 गांवों को मिली बेहतर बिजली सुविधा

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (दुर्ग क्षेत्र) द्वारा ग्रामीण विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। साजा संभाग के देवरबीजा वितरण केंद्र अंतर्गत 33/11 केवी घोटमर्रा उपकेंद्र की क्षमता बढ़ाने का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली मांग को ध्यान में रखते हुए, उपकेंद्र में लगे पुराने 3.15 एमवीए ट्रांसफार्मर को हटाकर उसकी जगह 5 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसे सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत (चार्ज) किया गया है। यह कार्य कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल के मार्गदर्शन एवं अधीक्षण अभियंता आर.के. मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

11 गांवों के 2400 से अधिक उपभोक्ताओं को सीधा लाभ

इस क्षमता वृद्धि से घोटमर्रा, हड़गांव, भेड़नी, चोटमर्रा, केछवई, कड़ई, हाड़ाहुली, कातुलबोड़, मोहेसरा, रौद और डढ़जरा सहित कुल 11 गांवों के लगभग 2410 घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। लंबे समय से बेहतर बिजली आपूर्ति की मांग कर रहे ग्रामीणों को अब राहत मिलेगी।

वोल्टेज समस्या से राहत, किसानों को मिलेगा फायदा

नए ट्रांसफार्मर के लगने से क्षेत्र में वोल्टेज की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। इससे किसानों को सिंचाई कार्यों के लिए पर्याप्त और स्थिर बिजली उपलब्ध होगी, वहीं घरेलू उपभोक्ताओं को भी गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलेगी।

तकनीकी टीम के समन्वय से कार्य हुआ सफल

इस कार्य को सफल बनाने में विभागीय अधिकारियों एवं तकनीकी स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान कार्यपालन अभियंता एस.के. राय एवं एम.के. शुक्ला, सहायक अभियंता सी.एल. वर्मा, जी.पी. बंजारे तथा कनिष्ठ अभियंता अभिषेक राठी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

गर्मी में भी नहीं होगी बिजली ट्रिपिंग की समस्या

अधिकारियों के अनुसार, ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ने से अब क्षेत्र में बढ़ते विद्युत लोड को आसानी से प्रबंधित किया जा सकेगा। इससे गर्मी के मौसम में भी बिजली ट्रिपिंग जैसी समस्याओं में कमी आएगी और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

अंधविश्वास एवं सामाजिक कुरीतियां विकास में बाधक : डॉ. दिनेश मिश्र

जादू टोने का अस्तित्व नहीं, अंधविश्वास में न फंसे

रायपुर। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा अंधविश्वास एवं सामाजिक कुरीतियां स्वस्थ समाज के विकास में बाधक हैं, सामाजिक कुरीतियां एवं अंधविश्वास मिटाने के लिए जागरूकता जरूरी है। जिसके लिए हर व्यक्ति को आगे आना होगा। समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तर्कशीलता आवश्यक है यह केवल बौद्धिक चर्चा का विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के भविष्य, उसके स्वास्थ्य, उसकी आर्थिक स्थिरता और उसकी मानवीय गरिमा से गहराई से जुड़ा हुआ है। डॉ. मिश्र ने विमतारा सभागृह में सामाजिक कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा पिछले 30 वर्षों में छत्तीसगढ़ के विभिन्न ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वास, विशेष रूप से टोनही प्रथा (डायन प्रथा) के खिलाफ काम करते हुए मैंने एक गहरी सच्चाई को बार-बार महसूस किया है अज्ञानता,गरीबी और जागरूकता की कमी से अंधविश्वास बनता और बढ़ता है और अफवाहें इनको मजबूत करते हैं। जहां संसाधनों की कमी होती है, वहां असुरक्षा बढ़ती है, और जहां असुरक्षा होती है, वहां भय पैदा होता है। यही भय अंधविश्वास का आधार बनता है।यह जानना जरूरी है कि गांवों में वैज्ञानिक सोच क्यों जरूरी है, आज भी जब किसी गांव में कोई बच्चा बीमार पड़ता है, तो कई परिवार सबसे पहले अस्पताल की ओर नहीं जाते, बल्कि बैगा-गुनिया या ओझा के पास जाते हैं। यह केवल एक परंपरा नहीं है, बल्कि यह उस विश्वास प्रणाली का हिस्सा है जो पीढ़ियों से चली आ रही है। लेकिन इसका परिणाम अक्सर दुखद होता है, इलाज में देरी, बीमारी का बढ़ना, और कई बार जान तक चली जाना। इसी तरह, जब कृषि या और कोई पारिवारिक, निजी समस्या आती है, तो वैज्ञानिक कारणों—जैसे मिट्टी की उर्वरता, जलवायु परिवर्तन या बीज की गुणवत्ता, स्वयं की लापरवाही की बजाय किसी व्यक्ति पर जादू टोना करने का आरोप लगाया जाता है। यह आरोप अक्सर महिलाओं पर लगता है, जिन्हें डायन घोषित कर दिया जाता है। इसके परिणामस्वरूप हिंसा, सामाजिक बहिष्कार और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन होता है। हमारा संविधान, विशेष रूप से अनुच्छेद 51ए(एच), हर नागरिक को यह कर्तव्य देता है कि वह वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद और ज्ञानार्जन की भावना का विकास करे। लेकिन केवल कानून बना देने से सोच नहीं बदलती। सोच बदलने के लिए संवाद, विश्वास और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। इसलिए ग्रामीण अंचल में वैज्ञानिक सोच की आवश्यकता होती है। डॉ दिनेश मिश्र ने कहा- पिछले वर्षों में काम करते हुए हमने कुछ महत्वपूर्ण बातें सीखी है, जो इस दिशा में काम करने वाले हर व्यक्ति और संगठन के लिए उपयोगी हो सकती हैं। पहली बात कई बार भय तथ्यों से ज्यादा शक्तिशाली साबित होता है। जब कोई व्यक्ति डरा होता है, तो वह तर्क नहीं सुनता, वह समाधान खोजता है। इसलिए अगर हम सीधे यह कह दें कि आप जो मानते है वह गलत है, तो हम संवाद का रास्ता बंद कर देते हैं। इसके बजाय हमें पहले सुनना चाहिए, समझना चाहिए, और फिर धीरे-धीरे वैज्ञानिक दृष्टिकोण की ओर ले जाना चाहिए। दूसरी बात, बताने से ज्यादा प्रभावी है करके दिखाना। जब हम चमत्कारों के पीछे के विज्ञान को सरल प्रयोगों के माध्यम से दिखाते हैं, तो लोग खुद निष्कर्ष निकालते हैं। जब एक ग्रामीण यह देखता है कि जो उसे चमत्कार लगता था, वह दरअसल एक साधारण वैज्ञानिक प्रक्रिया है, तो उसकी सोच में परिवर्तन आता है। यह परिवर्तन थोपे गए ज्ञान से नहीं, बल्कि अनुभव से आता है। तीसरी बात विज्ञान को जीवन और आजीविका से जोड़ना जरूरी है। अगर वैज्ञानिक सोच केवल किताबों तक सीमित रहे, तो उसका प्रभाव आसीमित रहेगा। लेकिन जब हम इसे खेती, स्वास्थ्य, वन प्रबंधन और आजीविका से जोड़ते हैं, तो इसका सीधा असर लोगों के जीवन पर पड़ता है। उदाहरण के लिए, अगर एक परिवार ओझा के इलाज पर हजारों रुपये खर्च करता है, तो वही पैसा अगर स्वास्थ्य, शिक्षा या आजीविका में निवेश हो, तो उनका जीवन बेहतर हो सकता है। सामाजिक संगठन पहले से ही समुदायों के साथ गहराई से जुड़े हुए होते हैं। जो वनाधिकार, महिला सशक्तिकरण, आजीविका और स्थानीय शासन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में काम कर रहे है। ऐसे में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना कोई अलग या अतिरिक्त कार्य नहीं है, बल्कि यह आपके हर प्रयास की नींव को मजबूत करने का माध्यम है। वे इस दिशा में तीन महत्वपूर्ण और व्यावहारिक कदम उठा सकते है।हर प्रशिक्षण और बैठक में तर्कशीलता को शामिल करें। चाहे वह वनाधिकार कानून पर प्रशिक्षण हो, स्वयं सहायता समूह की बैठक हो या वनोपज प्रबंधन का सत्र—हर जगह -ऐसा क्यों होता है- जैसे सवालों को शामिल करें। केवल 10-15 मिनट का एक छोटा सत्र भी लोगों की सोच को प्रभावित कर सकता है। दूसरा स्थानीय स्तर पर विज्ञान संचारकों का निर्माण करें। गांव के युवा, आशा कार्यकर्ता, दाई या शिक्षक—ये सभी वैज्ञानिक सोच के वाहक बन सकते हैं। उन्हें सरल प्रयोगों और उदाहरणों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा सकता है, ताकि वे अपने समुदाय में वैज्ञानिक जानकारी को सहज और प्रभावी तरीके से साझा कर सकें। तीसरा अंधविश्वास से जुड़ी घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया दें। जब किसी महिला को डायन घोषित किया जाता है या किसी व्यक्ति पर टोना-टोटका का आरोप लगाया जाता है और उसे प्रताड़ित किया जाता है, तो यह केवल एक सामान्य सामाजिक घटना नहीं होती, बल्कि यह पूरे, कानून व्यवस्था, शांति,विकास कार्य को प्रभावित करती है। ऐसे मामलों में कानूनी और वैज्ञानिक दोनों दृष्टिकोण से तुरंत हस्तक्षेप करना आवश्यक है। इससे न केवल पीड़ित को न्याय मिलता है, बल्कि संगठन की विश्वसनीयता भी बढ़ती है। डॉ दिनेश मिश्र ने कहा- आने वाले वर्षों में हमारे सामने नई चुनौतियां होंगी। जलवायु परिवर्तन, नई बीमारियाँ, और डिजिटल माध्यमों से फैलने वाली अफवाहें—ये सभी सबसे पहले ग्रामीण क्षेत्रों को प्रभावित करेंगी। अगर हम अभी से वैज्ञानिक सोच को मजबूत नहीं करते, तो हर नई समस्या के साथ नए अंधविश्वास जन्म लेंगे। डॉ मिश्र ने कहा जब आम लोग डर और भ्रम से मुक्त होकर तर्क और प्रमाण के आधार पर निर्णय लेने लगें। जब वे तथाकथित अदृश्य शक्तियों से डरने के बजाय दिखाई देने वाले तथ्यों पर सवाल उठाने लगें, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव है।

भारतीय जनता पार्टी के तीन राज्यों पर ऐतिहासिक जीत पर हार्दिक बधाई

भारतीय जनता पार्टी की यह जीत विकास और सुशासन की जीत : अशोक जैन

बलौदाबाजार। विधानसभा चुनाव 2026 में पश्चिम बंगाल सहित असम एवं पुदुचेरी में निर्वाचन के परिणाम घोषित होने के साथ ही हिंदुत्व का परचम लहराते हुए भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक जीत ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास के साथ जनता ने भारतीय जनता पार्टी को अराजकता और भय युक्त राजनीति से परे होकर सुशासन और सर्वांगीण विकास पर अपना विश्वास व्यक्त करते हुए अप्रत्याशित परिणाम दिया गया। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने बताया कि सबका साथ सबका विश्वास व सबका विश्वास के मूल मंत्र को आत्मसात कर जनता ने भाजपा के प्रति अपना भरोसा जताया जिसके फलस्वरूप तीन राज्यों के निकले परिणाम में भाजपा को विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत मिली है इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, केबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, सहित क्षेत्रीय सांसद बृजमोहन अग्रवाल, लक्ष्मी वर्मा सहित छत्तीसगढ़ राज्य के शीर्ष नेताओं के कुशल मार्गदर्शन एवं दी गई जिम्मेदारी पर विधानसभा क्षेत्रों में जाकर भाजपा पार्टी व प्रत्याशी के पक्ष में सजगता व मेहनत के साथ कार्य किया, इसके लिए यह जीत मिली है, सभी को बधाई देते हुए जीत पर हर्ष व्यक्त कर नगर बलौदा बाजार में पटाखे फोड़ते हुए मिठाइयां बांटी गई, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन सहित पार्षद गणों ने भारतीय जनता पार्टी के तीन राज्यों पर जीत पर बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं दी।

बंगाल, असम पांडुचेरी की जीत पर बेरला मंडल के कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी बेरला मंडल की मासिक बैठक बेरला नगर में सम्पन्न हुआ बैठक में समर्पण से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक के बाद रेस्ट हाउस से कर्मा चौक तक पैदल रैली निकाल कर बंगाल, असम और पडुचेरी में भाजपा की जीत का जश्न मनाया, कार्यकर्ता और नागरिकों को मिठाई खिलाकर एवं फटाकों की आतिशबाजी के साथ जश्न मनाया गया। इस अवसर पर सरगुजा संभाग प्रभारी एवं पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल ने कहा कि बंगाल, असम और पांडुचेरी की जीत पर समस्त कार्यकर्ताओं को बधाई दिया और आगे कहा की बंगाल की जीत भय को पराजित कर विश्वास का जीत है ममता दीदी ने बंगाल में लगातार लोकतंत्र की हत्या कर रहा था बंगाल में टीएमसी का गुंडा राज चरम पर था जिसका लोकतंत्र को स्थापित करने के लिए जरूरी था, भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपना बलिदान दे दिया लोकतंत्र के बहाली के लिए बंगाल की जीत भाजपा के अनेकों कर्ताओं, जनभावना और मोदी जी के विकसित भारत को पूरा करने के तरफ अग्रसर हो रहा है। पार्टी के निर्देशानुसार ढाई माह तक बंगाल के भातर विधानसभा में रह कर पार्टी के लिए चुनाव प्रचार में रह कर वहां की भयाव स्थिति को देखा हू कि टीएमसी के गुंडे कैसे लोकतंत्र का हत्या कर रहा था, मतदाताओं को मतदान करने से रोकते थे बंगाल में भाजपा की जीत से लोकतंत्र की बहाली होगा और बंगाल विकाश की नए तस्वीर बनायेगा। प्रदेश मंत्री संध्या परगनिया ने समस्त कार्यकर्ताओं को तीन राज्य बंगाल, असम और पांडुचेरी में जीत की बधाई दिया। तीन राज्यों के जीत पर मंडल अध्यक्ष डोमेन्द्र सिंह राजपूत ने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दिया और कहा कि हमारे श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जन्म भूमि बंगाल में कमल खुलने से बंगाल विकाश की रह में अग्रसर होगा। इस अवसर पर रोहित माहेश्वरी, नारायण पटेल, धानेश्वर साहू, यतीश द्विवेदी, गंगाधर साहू, विमला कुर्रे, संतोष साहू, कन्हैया वर्मा, युगल पाटिल, अरविंद ठाकुर, सिम्पू परगनिया, कमल साहू, जगदीश कुर्रे, राजू साहू, कन्हैया सेन, किशुन साहू, लक्ष्मी लता वर्मा, शिवझड़ी सिन्हा, किशन साहू, शैलेंद्री वर्मा, सरजू साहू, खम्मन श्रीवास, होलू साहू, नैनदास, गंगाधर साहू, गणेश चंदेल,रमेश सिन्हा, उकेंद साहू, लेखराम साहू, सुनील राजपूत, दिगेश्वरी साहू, लीलाराम साहू, मोहित साहू, डामन साहू, रघुवीर पिंटू सिन्हा, रामकुमार साहू, मनोज, प्रदीप, मयंक, राजेश, रोहित, पुखराज सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भाजपा की जीत पर विधायक ने कार्यकर्ताओ को दी बधाई

बेमेतरा। पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड एवं ऐतिहासिक विजय पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी सहित प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर उन्होंने इसे लोकतंत्र की सशक्त जीत बताते हुए कहा कि यह परिणाम देश की जनता के अटूट विश्वास, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी के कुशल मार्गदर्शन एवं लाखों समर्पित कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का प्रतिफल है। विधायक साहू ने अपने विस्तृत सम्बोधन में कहा कि यह जीत केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि जन-जन के विश्वास, उम्मीद और बदलाव की आकांक्षा की जीत है। पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चल रही भय, हिंसा, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति से जनता त्रस्त थी। आम नागरिक अपने ही राज्य में असुरक्षा और दबाव का जीवन जीने को मजबूर था। लेकिन इस बार बंगाल की जागरूक जनता ने लोकतांत्रिक ताकत का परिचय देते हुए उस कुशासन को सिरे से नकार दिया और भाजपा को प्रचंड बहुमत देकर स्पष्ट संदेश दिया कि अब राज्य में भय और अराजकता की राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने पश्चिम बंगाल की पूर्व सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि विगत वर्षों में राज्य में विकास की जगह वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा दिया गया, जिसके कारण युवाओं के भविष्य, महिलाओं की सुरक्षा और आम जनता के अधिकारों की लगातार अनदेखी हुई। उद्योग, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में बंगाल पीछे होता गया। लेकिन अब जनता ने परिवर्तन का संकल्प लिया है और भाजपा के नेतृत्व में एक नए, सुरक्षित और विकसित बंगाल की नींव रखी है। साहू ने कहा कि भाजपा की यह ऐतिहासिक जीत इस बात का प्रमाण है कि देश की जनता अब केवल नारों से नहीं, बल्कि विकास, सुशासन और पारदर्शिता के आधार पर निर्णय ले रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने जिस प्रकार से विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं, उसका प्रभाव अब राज्यों के चुनावों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने आगे कहा कि असम और पुडुचेरी में भाजपा की शानदार सफलता यह दर्शाती है कि पूर्वोत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक भाजपा की स्वीकार्यता और जनसमर्थन लगातार बढ़ रहा है।

असम में विकास और स्थिरता की राजनीति को जनता ने सराहा है, वहीं पुडुचेरी में भी भाजपा के प्रति बढ़ते विश्वास ने यह साबित कर दिया है कि पार्टी की नीतियां सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी है। विधायक साहू ने कहा कि भाजपा की यह विजय सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र की विजय है, जिसने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने का कार्य किया है। गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिला और व्यापारी—हर वर्ग को केंद्र और भाजपा शासित राज्यों की योजनाओं से सीधा लाभ मिला है, जिससे जनता का भरोसा और मजबूत हुआ है। उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से ही पार्टी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जनता के बीच काम कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और समर्थकों को इस ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह उनकी मेहनत, समर्पण और संघर्ष का परिणाम है। अंत में विधायक दीपेश साहू ने विश्वास जताया कि भाजपा की सरकारें पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में विकास, सुशासन, सुरक्षा और समृद्धि का नया अध्याय लिखेंगी, और देश को एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ाएंगी।

जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और पीएम हायर सेकेंण्डरी स्कूल का किया औचक निरीक्षण

गरियाबंद। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने आज कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं पीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, गरियाबंद का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दोनों संस्थानों में संचालित गतिविधियों, सुविधाओं तथा जारी कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में बालिकाओं के लिए संचालित समर कैंप में पहुँचकर उन्होंने छात्राओं से विभिन्न गतिविधियों के बारे में पूछा और उन्हें अपनी रुचि के अनुसार कौशल सीखने तथा आगामी कक्षाओं की तैयारी में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। समर कैंप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अपने बीच पाकर छात्राएं उत्साहित और प्रसन्न दिखाई दीं। उन्होंने अधीक्षिका को निर्देशित किया कि हॉस्टल परिसर में स्वच्छता, बच्चों के स्वास्थ्य तथा आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्यों पर विशेष ध्यान देने को कहा। इसके पश्चात वे पीएम हायर सेकेंडरी स्कूल पहुँचे। जहाँ उन्होंने जारी निर्माण कार्य, शौचालय निर्माण एवं अन्य मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। ताकि नए शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही स्कूल में प्रवेश प्रक्रिया का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार कर नामांकन बढ़ाने के निर्देश भी प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान डीएमसी शिवेश शुक्ला भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जनगणना कार्य में बाधा डालने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

बिलासपुर- राष्ट्रीय महत्व के जनगणना कार्य को सुचारू और समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जनगणना कर्मियों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी संजय अग्रवाल द्वारा इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। गौरतलब है कि जनगणना 2027 का कार्य इस माह की 1 तारीख से प्रगति पर है और इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों को पूरा सहयोग दें तथा उनके सम्मान का ध्यान रखें, ताकि यह कार्य निर्धारित समय-सीमा में सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना कार्य में बाधा उत्पन्न करने, कर्मचारियों के साथ अभद्रता या विवाद करने वालों के विरुद्ध जनगणना अधिनियम 1948 एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 के प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में बिल्हा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम घोघरा में जनगणना कार्य में बाधा पहुंचाने और जनगणना कर्मी से मारपीट के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एफ्आईआर दर्ज कर उसे जेल भेजा गया है। जिला प्रशासन ने कहा है कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश की विकास योजनाओं का आधार है। ऐसे में सभी नागरिकों का सहयोग इस अभियान की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

जनसेवा और आध्यात्म का संगमः सुशासन तिहार में समस्याओं का समाधान, स्वामी रामभद्राचार्य महाराज से अमर अग्रवाल ने लिया आशीर्वाद

बिलासपुर। नगर विधायक अमर अग्रवाल ने बिलासपुर पहुंचे जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज जी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर को उन्होंने अत्यंत प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि संतों का सान्निध्य समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ हमारी समृद्ध सनातन परंपरा, संस्कार और मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संतों के आशीर्वचन से समाज में सद्भाव, सेवा और नैतिक मूल्यों की भावना और अधिक प्रबल होगी। विधायक अग्रवाल ने आगे कहा कि आज के परिवर्तित सामाजिक परिदृश्य में संतों का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो समाज को एकजुट रखते हुए सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इसके पश्चात विधायक अमर अग्रवाल सुशासन तिहार के अंतर्गत मगरपारा स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनका मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया गया। शेष समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। शिविर के दौरान विधायक अग्रवाल ने उपस्थित नागरिकों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा यह भरोसा दिलाया कि प्रत्येक समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी नागरिकों को दी, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ उठा सकें। विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, जिससे लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं के निराकरण में पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उसका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें।

जनगणना कार्य में बाधा डालने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

बिलासपुर। राष्ट्रीय महत्व के जनगणना कार्य को सुचारू और समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जनगणना कर्मियों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी संजय अग्रवाल द्वारा इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। गौरतलब है कि जनगणना 2027 का कार्य इस माह की 1 तारीख से प्रगति पर है और इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों को पूरा सहयोग दें तथा उनके सम्मान का ध्यान रखें, ताकि यह कार्य निर्धारित समय-सीमा में सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना कार्य में बाधा उत्पन्न करने, कर्मचारियों के साथ अभद्रता या विवाद करने वालों के विरुद्ध जनगणना अधिनियम 1948 एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 के प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सुशासन तिहार

उच्चभट्ठी शिविर में शामिल हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी

- कलेक्टर-एसएसपी ने भी लिया शिविर का जायजा
- शासकीय योजनाओं से हितग्राही हुए लाभान्वित

बिलासपुर। जिले के गांव-गांव और शहर में सुशासन तिहार का सिलसिला जारी है। शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी के साथ ही योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसी क्रम में आज बिल्हा ब्लॉक के उच्चभट्ठी में आयोजित सुशासन शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी शामिल हुए। उन्होंने लोगों से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने की भी अपील की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, एसडीएम श्री मनीष साहू, सीईओ जनपद श्री कुमार लहरे सहित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन तिहार के जरिए लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सुशासन तिहार का उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण करें। शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और लोगों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करने के उद्देश्य से सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। सुशासन तिहार के तहत सरकार लोगों के गांव, घर तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का निराकरण कर रही है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि बड़ी संख्या में आपकी उपस्थिति अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति आप लोगों की जागरूकता का परिचायक है। शिविर में आज कुल 196 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 161 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष 35 आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों को समयसीमा निर्धारित की गई है। शिविर में खाद्य विभाग द्वारा 9 हितग्राहियों को राशन कार्ड का वितरण, 4 हितग्राहियों को उज्जवला गैस कनेक्शन प्रदान किए गए। उच्चभट्ठी के प्रफुल्ल कुमार, कमल बाई मंडला, नरोत्तम कुमार सूर्यवंशी और पिंकी कोशले को जॉब कार्ड का वितरण किया गया। आवास पूर्ण करने पर 9 हितग्राहियों आवास पूर्णता प्रमाण पत्र एवं श्रम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नोनी सशिक्करण सहायता योजना अंतर्गत ग्राम उच्चभट्ठी की कुमारी पूजा और नंदनी को 20-20 हजार चेक दिया गया। उच्चभट्ठी के ही श्रीमती राम प्यारी सूर्यवंशी एवं श्री किशन कन्हैया सूर्यवंशी को श्रमिक पंजीयन कार्ड का वितरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयुष खरे, तनिषा, सृद्धि एवं अयांश का अन्नप्राशन कार्यक्रम किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने शिविर में बड़ी संख्या में बीपी, शुगर की जांच कराई। स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा दवाईयों का वितरण किया गया।

बिलासपुर मंडल भारत स्काउट एंड गाइड द्वारा बिलासपुर स्टेशन पर जल वितरण सेवा निरंतर जारी, भीषण गर्मी में यात्रियों को बड़ी राहत

बिलासपुर। ग्रीष्म ऋतु की तीव्र गर्मी के बीच यात्रियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के भारत स्काउट एंड गाइड द्वारा बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर नि:स्वार्थ भाव से जल वितरण सेवा निरंतर संचालित की जा रही है। यह सराहनीय पहल न केवल यात्रियों को शीतलता प्रदान कर रही है, बल्कि सेवा, सहयोग एवं मानवता के उत्कृष्ट मूल्यों को भी सुदृढ़ कर रही है। दिनांक 26 अप्रैल 2026 से प्रारंभ इस सेवा अभियान के अंतर्गत स्काउट-गाइड, रोवर एवं रेंजर सदस्य पूर्ण समर्पण, अनुशासन एवं सेवा भावना के साथ स्टेशन परिसर में यात्रियों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध करा रहे हैं। भीषण गर्मी के दौरान यह सेवा यात्रियों के लिए अत्यंत राहतकारी सिद्ध हो रही है, जिसकी व्यापक सराहना भी की जा रही है। स्काउट एंड गाइड टीम द्वारा न केवल पेयजल वितरण किया जा रहा है, बल्कि यात्रियों को सुव्यवस्थित एवं सहज तरीके से सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है। इस सेवा अभियान के माध्यम से टीम के सदस्यों ने सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन एवं मानवीय संवेदनाओं का प्रेरणादायक परिचय दिया जा रहा है। सीनियर डीसीएम श्री अनुराग कुमार सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सहयोग, संवेदनशीलता एवं परोपकार की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने बताया कि ग्रीष्मकाल के दौरान यह जल वितरण सेवा निरंतर जारी रहेगी, जिससे स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों को नियमित रूप से शीतल पेयजल की सुविधा मिलती रहे।

सफलता की कहानी अब रास्ते आसान हुएः मौलेश्वरी की नई उड़ान

बिलासपुर। जिले के कोटा विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम बिटकुली में आयोजित सुशासन तिहार का शिविर ग्रामवासियों के लिए उम्मीद और राहत लेकर आया। इस शिविर में आस पास की कई पंचायतें शामिल रही, यहँ ग्रामीणों ने शासन की विभिन्न कल्याणमकारी योजनाओं का लाभ लिया । इन्ही ग्रामीणों में से एक थीं ग्राम नगोई की बिहान दीदी मौलेश्वरी पैकरा, जिनकी एक छोटी-सी आवश्यकता ने उनके जीवन को नई दिशा दे दी मौलेश्वरी पैकरा स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने परिवार और गांव के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, लंबे समय से दुपहिया वाहन चलाने के लिए लाइसेंस बनवाना चाहती थीं। लेकिन दूर-दराज़ के क्षेत्र में रहने के कारण उन्हें इस सुविधा के लिए शहर तक जाना पड़ता, जो समय और संसाधनों की दृष्टि से कठिन था। सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविर ने उनकी इस परेशानी को पलभर में दूर कर दिया। उन्होंने शिविर में आवेदन किया और प्रशासन की तत्परता से उन्हें तत्काल दुपहिया वाहन का लाइसेंस प्रदान किया गया। लाइसेंस मिलने के बाद मौलेश्वरी के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा,अब मुझे दुपहिया चलाने में कोई डर या परेशानी नहीं होगी। मैं अपने समूह के काम और अन्य जरूरी कार्य आसानी से कर पाऊंगी। मौलेश्वरी कहती है कि पास के गांव में ही यह सुविधा मिलने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार के तहत जिले भर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित शिविरों में आम लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है।

सुशासन तिहार- सुशासन पहुंचा है घर तक, समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान- विधायक अमर अग्रवाल

- नर्मदा नगर में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए विधायक अमर अग्रवाल
- 112 आवेदन मिलें, 99 मांग है और 12 शिकायत के शामिल है

बिलासपुर। सुशासन तिहार 2026 के तहत हर दिन अलग-अलग जोन क्षेत्रों में शिविर का आयोजन किया जा रहा है,इसी तारतम्य में आज जोन क्रमांक 3 के नर्मदा नगर सामुदायिक भवन में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के तौर पर बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल शामिल हुए,जहां उन्होंने अलग-अलग विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया तो उपस्थित नागरिकों से भी चर्चा की। इस अवसर पर प्राप्त आवेदनों और उसके निराकरण की जानकारी विधायक श्री अग्रवाल ने लिया। इस अवसर पर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा की सुशासन की सशक्त स्थापना,आमजनों की समस्याओं के समाधान और योजनाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छ.ग. सरकार ने सुशासन तिहार का आरंभ किया है। पिछले लगभग ढाई वर्षों में निश्चित तौर पर पूरे प्रदेश में सुशासन घर-घर तक पहुंचा है और सुशासन तिहार से यह और भी व्यापक हुआ है। सुशासन तिहार के तहत आमजनों की समस्या की सुनवाई और निराकरण हो रहा है,योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक को मिलें और विकास के साथ आमजन का कल्याण हो,यही विष्णु सरकार की प्राथमिकता है और सुशासन तिहार के माध्यम से भी इसे पूरा किया जा रहा है। विधायक अग्रवाल ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन से छ.ग. संवर रहा है। आज नर्मदा नगर सामुदायिक भवन में आयोजित शिविर में कुल 112 आवेदन प्राप्त किए गए जिनमें से 99 आवेदन अलग-अलग मांगों को लेकर है और 13 आवेदन शिकायत और समस्या के है। प्राप्त आवेदनों में मांग से संबंधित 9 आवेदनों का शिविर स्थल पर ही निराकरण किया गया। शेष आवेदनों के निराकरण के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। शिविर स्थल में अलग-अलग हितग्राही मूलक योजनाओं के आबंटन पत्र,चेक का वितरण भी हितग्राहियों को किया गया।

बालको की सुरक्षा प्रणाली बनी उद्योग के लिए मिसाल

कोरबा। वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने वित्तीय वर्ष 2026 में लगातार दूसरे वर्ष शून्य सुरक्षा दुर्घटनाएं और शून्य चोरी की घटनाएं दर्ज करते हुए सुरक्षा प्रदर्शन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इन उपलब्धियों के पीछे सुरक्षा टीम के समर्पण और प्रतिबद्धता को सम्मानित करने के लिए कंपनी ने 'बड़ा खाना 2026' के तीसरे संस्करण का आयोजन किया। वित्तीय वर्ष 2026 के दौरान बालको ने कुल घटनाओं में लगभग 15 प्रतिशत की कमी दर्ज की और बिना किसी संचालन बाधा के सफल रिकवरी सुनिश्चित की। यह उपलब्धि एक सुदृढ़ सुरक्षा ढांचे के माध्यम से संभव हुई, जिसमें तकनीक-सक्षम निगरानी, डेटा-आधारित विश्लेषण और अनुशासित क्रियान्वयन को संयोजित किया गया। इस दौरान 55 लाख से अधिक बालको एवं व्यावसायिक साझेदार कर्मचारियों की आवाजाही और 1.25 लाख से अधिक वाहन गतिविधियों की निगरानी उन्नत सर्विलांस सिस्टम और जीपीएस ट्रैकिंग के जरिए की गई। साथ ही 1500 से अधिक 'सुरक्षा मित्रों' से प्राप्त रियल-टाइम इंटेलिजेंस के आधार पर लगभग 37 प्रतिशत संभावित घटनाओं को पहले ही रोका गया, जो सामुदायिक सहभागिता आधारित सतर्कता मॉडल की प्रभावशीलता को दर्शाता है। सुरक्षा को एक रणनीतिक सक्षमकर्ता के रूप में स्थापित करते हुए 'बड़ा खाना 2026' में 200 से अधिक बालको कर्मचारी, व्यावसायिक साझेदार और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। यह पहल सुरक्षा कार्यप्रणाली में जवाबदेही, अनुशासन और सक्रिय जोखिम प्रबंधन को पहचानने और प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण मंच रही। बालको के सीईओ राजेश कुमार सिंह ने कहा कि हमारे लिए 'जीरो हानि' और उत्कृष्टता केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि हमारी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हर निर्णय और कार्य को दिशा देता है। तकनीक के बेहतर उपयोग, मजबूत प्रक्रियाओं और साझा जिम्मेदारी की भावना के साथ हम सुरक्षा और संरक्षा के क्षेत्र में लगातार अच्छे और स्थिर परिणाम हासिल कर रहे हैं। हमारी टीम का समर्पण और अनुशासन इस सफलता की मुख्य ताकत है। आने वाले समय में हम अपने सिस्टम को और उन्नत करेंगे। साथ ही नई तकनीकों को अपनाएंगे और संभावित जोखिमों को पहले से पहचानने की क्षमता बढ़ाएंगे, ताकि कार्यस्थल को और अधिक सुरक्षित और सुदृढ़ बनाया जा सके। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं, जिनमें नृत्य और संगीत के साथ-साथ सेंट्रल सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (सीएसओसी) टीम द्वारा अग्नि सुरक्षा जागरूकता पर आधारित नाट्य प्रस्तुति शामिल थी। सम्मान समारोह के दौरान विभिन्न व्यक्तियों और टीमों को घटना रोकथाम, आपातकालीन प्रतिक्रिया और संचालन अनुशासन में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मोतीबाग वर्कशॉप को प्रतिष्ठित ग्रीनको गोल्ड प्रमाणन

- पर्यावरण संरक्षण एवं सतत औद्योगिक प्रथाओं में उत्कृष्ट उपलब्धि, भारतीय रेल की हरित प्रतिबद्धता को मिला नया आयाम

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के यांत्रिक विभाग ने पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मोतीबाग वर्कशॉप के लिए प्रतिष्ठित ग्रीनको गोल्ड प्रमाणन प्राप्त किया है। यह सम्मान कार्यशाला द्वारा पर्यावरण अनुकूल एवं सतत औद्योगिक प्रक्रियाओं को प्रभावी रूप से अपनाने के लिए प्रदान किया गया है। यह प्रमाणन सीआईआई-सोहराबजी गोदरेज ग्रीन बिज़नेस सेंटर द्वारा ग्रीनकोड्डग्रीन कंपनी रेटिंग सिस्टम के अंतर्गत प्रदान किया गया है। यह मान्यता 01 मई 2026 से 30 अप्रैल 2029 तक तीन वर्षों के लिए वैध रहेगी। ग्रीनको प्रेमवर्क के अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों का मूल्यांकन ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, संसाधन संरक्षण तथा हरित प्रौद्योगिकी के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर किया जाता है। गोल्ड रेटिंग प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि मोतीबाग कार्यशाला ने पर्यावरणीय प्रदर्शन और संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग के उच्च मानक स्थापित किए हैं। यह उपलब्धि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के यांत्रिक विभाग की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता और कार्यशाला संचालन में हरित सिद्धांतों के सफल समावेशन को दर्शाती है। साथ ही यह भारतीय रेल की पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ, हरित भविष्य के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयासों को भी सशक्त करती है। ग्रीनको गोल्ड प्रमाणन का परिचालन महत्व- यह प्रमाणन मोतीबाग कार्यशाला द्वारा कठोर पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन की पुष्टि करता है। इसके अंतर्गत कार्यशाला को वर्ष 2026 से 2029 तक गोल्ड स्तर बनाए रखने हेतु निरंतर हरित मानकों का पालन करना होगा। यह उपलब्धि औद्योगिक इकाइयों के बीच उत्कृष्ट पर्यावरणीय प्रदर्शन का मानक स्थापित करती है तथा भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय हरित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यशाला की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करती है। मोतीबाग कार्यशाला द्वारा अपनाई गई प्रमुख हरित पहलें- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की मोतीबाग कार्यशाला ने ग्रीनको मानकों के अनुरूप अनेक प्रभावी पहलें लागू की हैं। ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में कार्यशाला परिसर में पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था को एलईडी प्रणाली से प्रतिस्थापित किया गया है। ऊर्जा दक्ष मोटर एवं मशीनरी का उपयोग बढ़ाया गया है, सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहित किया गया है तथा नियमित ऊर्जा ऑडिट एवं निगरानी प्रणाली लागू की गई है। उपकरणों के स्वचालन और लोड प्रबंधन के माध्यम से ऊर्जा बचत सुनिश्चित की जा रही है। जल संरक्षण हेतु एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट एवं जल पुनर्चक्रण प्रणाली स्थापित की गई है। कम जल खपत वाली तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है तथा रिसाव नियंत्रण एवं सतत निगरानी के माध्यम से जल अपव्यय को रोका जा रहा है। अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत ठोस एवं खतरनाक अपशिष्ट का स्रोत स्तर पर पृथक्करण किया जा रहा है। तेल, ग्रीस एवं रासायनिक अपशिष्टों के सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कुशल स्क्रैप प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से पुनर्चक्रण को बढ़ावा दिया गया है तथा ज़ीरो वेस्ट टू लैंडफिल की दिशा में सतत प्रयास किए जा रहे हैं। सामग्री संरक्षण के क्षेत्र में रखरखाव कार्यों में संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग सुनिश्चित किया गया है। पुनः उपयोग एवं पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के साथ-साथ टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल सामग्री को प्राथमिकता दी जा रही है। बेहतर इन्वेंट्री प्रबंधन और प्रक्रिया सुधारों के माध्यम से अपव्यय को न्यूनतम किया गया है। मोतीबाग कार्यशाला को प्राप्त यह ग्रीनको गोल्ड प्रमाणन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति सजग कार्यशैली का प्रमाण है और रेलवे अवसंरचना एवं रखरखाव प्रणालियों में हरित पहल को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

ब्राइड के लिए एकदम बेस्ट हैं ये 4 लेटेस्ट नेकलेस

आजकल फैशन काफी ज्यादा बदलता जा रहा है। शादियों का सीजन आने वाला है और ब्राइड खुद को सबसे खूबसूरत दिखाने के लिए कई तरह-तरह के नेकलेस डिजाइन खुद के लिए चुनती हैं। अगर आपकी गर्दन छोटी है और लुक को थोड़ा हटके दिखाना चाहती हैं, तो तरह-तरह के नए डिजाइन वाले नेकलेस भी देखने को मिल जाएंगे। सही नेकलेस न केवल उनकी खूबसूरती को बढ़ाएगा बल्कि पूरे ब्राइडल लुक को पूरा बदलकर रख देगा। हर कोई देखकर आपकी जमकर तारीफ भी करते नजर आएंगे।

आजकल मार्केट में कई ऐसे ट्रेंडी और लेटेस्ट नेकलेस डिजाइन आपको देखने को मिल जाएंगे, जिसको आप काफी समय से खोज रही हैं। छोटी गर्दन वाली दुल्हनों को सभी चीजों का खास ध्यान रखना चाहिए वरना आपका लुक काफी ज्यादा बिगड़ जाता है। अगर आप भी अपनी छोटी गर्दन के लिए नेकलेस डिजाइन को खोज रही हैं और आपको तभी तक कुछ समझ नहीं आया है, तो आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइन दिखाते हैं। इनको पहनने के बाद अपनी शादी में आप एकदम परफेक्ट नजर आएंगी। हर कोई आपको देखकर जमकर तारीफ करेगा। छोटी गर्दन वाली ब्राइड के लिए लेटेस्ट नेकलेस डिजाइन

1. चोकर नेकलेस

छोटी गर्दन वाली ब्राइड के लिए चोकर नेकलेस भी एकदम बेस्ट रहेगा। आप इसको बिना सोचे-समझे में भी फटाफट से पहन सकती हैं। चोकर पतला आपको लेना है ज्यादा हैवी नहीं लेना है वरना आपकी गर्दन छिप जाएगी। आपके लुक को मॉडर्न और ट्रेंडी ये बना सकता है।

2. यू-शेप नेकलेस

आपको ज्यादा भारी नेकलेस से हमेशा बचना चाहिए आपको हमेशा यू-शेप नेकलेस का ही चुनाव करना चाहिए। बहुत-सी महिलाएं ट्रेंड या दूसरों को देखकर चुनाव करती हैं लेकिन आपको ऐसा बिल्कुल नहीं करना है।

3. लॉन्ग लेयर्ड नेकलेस

अगर आपकी छोटी गर्दन है और अपने ब्राइड लुक को थोड़ा हटके दिखाना चाहते हैं, तो आप लॉन्ग लेयर्ड नेकलेस को आप पहन सकती हैं। ये आपके लुक के लिए एकदम बेस्ट रहेगा। इसको पहनने के बाद आप रॉयल और ग्रेसफुल लुक भी नजर आएंगी।

4. सिंगल चेन नेकलेस

आपको हैवी पहनने की बजाय सिंगल चेन नेकलेस को भी पहन सकती हैं। इसको पहनने के बाद हर कोई आपकी जमकर तारीफ करेगा, ये पूरी तरह से बदल देगा। इसके और भी कई सारे लेटेस्ट डिजाइन है।

रसोई घर में मां अन्नपूर्णा का वास

हिंदू धर्म में रसोई यानी किचन को घर का मुख्य हिस्सा माना जाता है। रसोई केवल खाना बनाने की जगह नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र है। धार्मिक मान्यता है कि रसोई घर में मां अन्नपूर्णा का वास रहता है। जिस घर में देवी अन्नपूर्णा की कृपा रहती है वहां कभी भी अन्न और धन की कमी नहीं होती है। ऐसे में रसोई से जुड़ी ये गलतियां बिल्कुल भी न करें वरना मां अन्नपूर्णा आपसे नाराज हो सकती हैं। तो आइए जानते हैं कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

रसोई में भूलकर भी न करें ये गलतियां

रसोई में कभी भी टूटे फूटे हुए कांच या चटके बर्तनों का इस्तेमाल न करें। ये चीजें दरिद्रता का प्रतीक मानी जाती है और इनका इस्तेमाल करने से घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। रसोई में अन्न की देवी अन्नपूर्णा का वास होता है तो यहां जूते चप्पल पहनकर कभी भी प्रवेश न करें। रसोईघर को कभी भी पूरा अंधेर कर के न छोड़ें। रात के समय भी कोई एक लाइट जलाकर रखें। वास्तु शास्त्र में आग और पानी को एक दूसरे का शत्रु माना गया है। तो रसोई में सिंक और चूल्हा को कभी भी बिल्कुल आमने-सामने न रखें। रसोई में कभी भी दवाइयां नहीं रखनी चाहिए। वास्तु के अनुसार, इससे घर के सदस्यों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

रसोई में मां अन्नपूर्णा की कृपा और बरकत के लिए करें ये काम

रसोई के किसी कोने में कांच की कटोरी में थोड़ा सेंधा नमक रखें। ऐसा करने से घर और रसोई दोनों जगह की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। गैस चूल्हा ऐसी दिशा में रखें कि खाना बनाते समय आप मुख पूर्व दिशा की ओर रहें। इससे परिवार का स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है और घर में समृद्धि भी आती है। हमेशा पहली रोटी गाय के लिए निकालें। इससे पितृ दोष और अन्य ग्रहों की शांति होती है। साथ ही घर में मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। रात को सोने से पहले किचन की सफाई जरूर करें और जूठे बर्तन सिंक में न छोड़ें।

पके आम को धोने का सही तरीका

वैसे तो केमिकल से पके आम शरीर के लिए हार्मफुल होते हैं और इन्हें ना खाना ही बेहतर है। लेकिन अगर आपने नेचुरल पके आमों को भी खरीदा है तो उन्हें सही तरह से धोकर और भिगोकर ही खाएं।

आम के शौकीनों के लिए खुशखबरी है। मार्केट में पीले-रसीले आमों की बहार आ गई है। लेकिन इन आमों को खरीदते समय सावधानी जरूर रखें क्योंकि ज्यादातर जगहों पर केमिकल से पके आम मिल रहे हैं। ऐसे में सही और नेचुरल तरीके से पके आम ही खरीदें। लेकिन इन आमों को खरीदने के साथ ही एक और सावधानी की जरूरत है, वो है इनकी सफाई। आम को खाने से पहले सही तरीके से धोकर खाएं और इन स्टेप को जरूर फॉलो करें।

पहले धोएं :- मार्केट से आम को लाने के बाद अच्छी तरह से बहते पानी के नीचे धोएं। धोते वक्त इसे हल्के हाथ से रगड़ दें। जिससे ऊपर लगी धूल-मिट्टी और गंदगी निकल जाए। साथ ही अगर कुछ अंश कार्बाइड के हों तो वो भी साफ हो जाएं।

30 मिनट भिगोएं :- आम को करीब आधे घंटे 30 मिनट के लिए भिगो दें। पानी में करीब एक चम्मच नमक और एक चौथाई चम्मच बेकिंग सोडा डाल दें। फिर इस पानी में आम को भिगोएं। ऐसा करने से आम में मौजूद हीट बाहर निकलती है और साथ ही केमिकल के पार्टिकल जो छिलकों पर होते हैं उन्हें हटाने में मदद मिलती है।

फ्रिज में रखें :- मार्केट से लाने के बाद आम को इस तरह से धोकर और भिगोकर उसके बाद फ्रिज में रखें। ऐसा करने से किसी भी तरह का केमिकल आपके फ्रिज के सरफेस तक नहीं पहुंचता और बाकी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स सेफ रहती हैं।

सुबह नाश्ते में पोहा या पराठा क्या खाना है ज़्यादा हेल्दी

सुबह का नाश्ता दिन की सबसे ज़रूरी मील माना जाता है, क्योंकि यही हमारे शरीर को पूरे दिन के लिए ऊर्जा देता है। ऐसे में अक्सर लोगों के मन में यह सवाल आता है कि नाश्ते में पोहा खाना बेहतर है या पराठा। इसका जवाब आपकी लाइफस्टाइल, सेहत और डेली एक्टिविटी पर निर्भर करता है।

सुबह नाश्ते में पोहा खाने से क्या होता है?

पोहा एक हल्का और आसानी से पचने वाला नाश्ता है। इसमें कम तेल का इस्तेमाल होता है और यह कार्बोहाइड्रेट का अच्छा स्रोत है, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है। अगर इसमें मूंगफली, सब्जियां और थोड़ी सी नींबू की मात्रा जोड़ दी जाए, तो यह फाइबर, प्रोटीन और विटामिन्स से भरपूर हो जाता है। जिन लोगों को वजन कम करना है या जिनका पाचन तंत्र संवेदनशील है, उनके लिए पोहा एक बेहतर विकल्प माना जाता है।

सुबह नाश्ते में पराठा खाने से क्या होता है?

वहीं पराठा, खासकर आलू या पनीर का पराठा, ज्यादा भारी और कैलोरी से भरपूर होता है। इसमें घी या तेल का उपयोग अधिक होता है, जिससे यह लंबे समय तक पेट भरा रखता है और ऊर्जा भी देता है। जिन लोगों की फिजिकल एक्टिविटी ज्यादा होती है, जैसे कि मजदूरी या ज्यादा एक्सरसाइज करने वाले लोग, उनके लिए पराठा एक अच्छा विकल्प हो सकता है। हालांकि, अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं या आपका लाइफस्टाइल बैठकर काम करने वाला है, तो ज्यादा पराठे खाना नुकसानदायक हो सकता

दोनों में क्या है बेहतर?

अगर आप हेल्दी ऑप्शन चुनना चाहते हैं, तो पोहा को प्राथमिकता दें या फिर पराठा खाते समय उसमें कम तेल का इस्तेमाल करें और साथ में दही या सलाद जरूर शामिल करें। अंत में, सही चुनाव वही है जो आपके शरीर की जरूरत और दिनभर की एक्टिविटी के अनुसार संतुलित हो।

आज का राशिफल

मेष राशि - कल का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है. कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और गुप्त स्रोतों से धन लाभ की प्रबल संभावना है.: काम में सफलता मिलेगी और गुप्त तरीके से धन आने के योग हैं. आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. लव पार्टनर के साथ अच्छा समय बीतेगा; दांपत्य जीवन में जीवनसाथी की बड़ी सहायता मिलेगी.: स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खान-पान में लापरवाही न बरतें.

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए कल का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा. खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए धन प्रबंधन पर ध्यान दें. कार्यस्थल पर अच्छे परिणाम मिलेंगे और सहयोगियों का साथ प्राप्त होगा.: खर्चों में वृद्धि होगी, बजट बनाकर चलना हितकारी होगा. पार्टनर से बातचीत सुखद रहेगी, लेकिन बाहरी लोगों के विरोध को समझदारी से संभालना होगा. संतान के स्वास्थ्य या अन्य समस्याओं के कारण चिंता हो सकती है.

मिथुन राशि - कल का दिन सामान्य फलदायक रहेगा. आप मानसिक और शारीरिक रूप से स्वयं को मजबूत महसूस करेंगे. कड़ी मेहनत से कार्यक्षेत्र में प्रशंसा मिलेगी; व्यापार के लिए दिन बेहतर है.: व्यापारिक गतिविधियों से लाभ के योग हैं. दांपत्य जीवन में प्यार और मीठी बातें रिश्तों में घनिष्ठता बढ़ाएंगी. शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूती बनी रहेगी.

कर्क राशि - कल का दिन आपके लिए थोड़ा साधारण रह सकता है. भाग्य के कमजोर होने के कारण बनते हुए कार्यों में रुकावट आ सकती है. काम से जी न चुराएं और अधिक मेहनत करें; कार्यस्थल पर सभी से मधुर व्यवहार रखें. महत्वपूर्ण कार्यों में देरी से आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है. प्रेम जीवन के लिए दिन थोड़ा कमजोर रह सकता है. स्वास्थ्य में थोड़ी नरमी महसूस हो सकती है.

सिंह राशि - सिंह राशि वालों के लिए कल का दिन अच्छा रहेगा. कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और सुख-सुविधाओं में समय बीतेगा. बॉस की नजरों में अपनी जगह बनाने के लिए महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर पूरा करें. खर्च नियंत्रण में रहेंगे और सुख-साधनों पर व्यय होगा. लव पार्टनर के साथ वक्त बिताने का बेहतरीन अवसर मिलेगा. परिवार में किसी बुजुर्ग का स्वास्थ्य बिगड़ने से भागदौड़ करनी पड़ सकती है.

कन्या राशि - कल का दिन बहुत समझदारी से चलने का है. आप उत्साह से भरे रहेंगे और कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी. उत्साहपूर्वक काम करने से सफलता मिलेगी; ऑफिस में आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा. व्यावसायिक कार्यों में सफलता से आर्थिक लाभ होगा. पार्टनर के साथ घूमने या मूवी देखने जा सकते हैं.: बुजुर्गों की सेहत पर ध्यान दें; काम के कारण परिवार को समय न दे पाना तनाव पैदा कर सकता है.

तुला राशि- तुला राशि वालों के चेहरे पर कल मुस्कान बनी रहेगी. यात्रा के दौरान नए लोगों से मुलाकात होगी और पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा. सहकर्मियों के साथ अच्छा व्यवहार सफलता की कुंजी बनेगा. जीवनसाथी के माध्यम से कोई बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है. प्रेम के मामले में दिन मिलाजुला रहेगा; पार्टनर का मूड बदलता रह सकता है. यात्रा और मेलजोल से मन प्रसन्न रहेगा.

वृश्चिक राशि - कल का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा. अटका हुआ पैसा वापस मिलने से आपकी हिम्मत बढ़ेगी और नए कार्य की योजना बनाएंगे.कार्यक्षेत्र में स्थितियाँ आपके पक्ष में रहेंगी; ससुराल से खुशखबरी मिल सकती है. फंसा हुआ धन वापस आने से आर्थिक स्थिति सुधरेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और परिवार के छोटों से खुशियाँ मिलेंगी. क्रोध पर नियंत्रण रखें, इससे मानसिक शांति बनी रहेगी.

धनु राशि- धनु राशि वालों के लिए कल का दिन थोड़ा मानसिक तनाव लेकर आ सकता है. आय तो बढ़ेगी, लेकिन खर्चों का सिलसिला भी जारी रहेगा. कार्यक्षेत्र में काम का दबाव रह सकता है.इनकम बढ़ने के साथ-साथ खर्चे भी बने रहेंगे.पार्टनर के बर्ताव के कारण रिश्तों में कड़वाहट या दूरी आने की आशंका है. वाहन सावधानी से चलाएं, दुर्घटना की आशंका बनी हुई है.

मकर राशि - कल का दिन मध्यम फलदायी रहेगा. कामकाज की अधिकता आपकी सेहत और मानसिक स्थिति पर असर डाल सकती है. कामकाज की स्थिति अच्छी रहेगी, लेकिन काम का बोझ अधिक रहेगा. आमदनी की तुलना में खर्चे अधिक हो सकते हैं; जमीन-जायदाद के मामले में लाभ होगा. गृहस्थ जीवन में पार्टनर का साथ मिलने से प्रसन्नता रहेगी. तनाव और काम की अधिकता से सेहत खराब होने की संभावना है.

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों के लिए कल का दिन बढ़िया रहेगा. अधिकारी आपके काम से खुश रहेंगे और व्यापारियों की आय में वृद्धि होगी.व्यापारिक यात्राएं सफल होंगी और नए ऑर्डर मिलने की संभावना है. व्यापारियों के लिए अच्छी आय का दिन है. पारिवारिक कलह या कहासुनी से मन अशांत हो सकता है. बुजुर्गों के साथ चर्चा से मानसिक स्पष्टता मिलेगी.

मीन राशि- मीन राशि वालों के लिए कल का दिन शानदार रहेगा. आपकी बुद्धिमानी आपको चुनौतियों पर विजय दिलाएगी और धन के मामले में दिन श्रेष्ठ है. चुनौतियों पर जीत हासिल करेंगे; बुद्धिमानी से लिए निर्णय सफल होंगे. आर्थिक दृष्टिकोण से दिन बहुत बढ़िया रहने वाला है. लव लाइफ में पार्टनर का पूरा साथ मिलेगा; बच्चों के भविष्य पर ठोस निर्णय लेंगे. पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, हालांकि आपकी अपनी सेहत में सुधार होगा.

लू से बचना है तो अपनाएं ये देसी नुस्खा

भीषण गर्मी में लोग जहां ठंडे पेय पदार्थों की तलाश में रहते हैं, गांवों में आज भी एक देसी ड्रिंक सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। छाछ और दलिया से बनने वाला यह खास पेय न सिर्फ शरीर को ठंडा रखता है, बल्कि दिनभर ऊर्जा भी बनाए रखता है। यही वजह है कि आधुनिक ड्रिंक्स के बीच भी यह पारंपरिक नुस्खा आज तक लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। जैसे-जैसे गर्मी अपने चरम पर पहुंचती है, शरीर को संभालना भी एक चुनौती बन जाता है। तेज धूप, बढ़ता तापमान और पसीना सब मिलकर शरीर से पानी और ऊर्जा दोनों छीन लेते हैं। ऐसे में थकान, डिहाइड्रेशन और पाचन से जुड़ी दिक्कतें आम हो जाती हैं। आपकी डाइट सबसे बड़ा सहारा बनती है। अगर खान-पान सही हो, तो गर्मी का असर काफी हद तक कम किया जा सकता है। ऐसे पेय, जो शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ एनर्जी भी दें, इस मौसम में किसी वरदान से कम नहीं होते हैं।

भीषण गर्मी से बचने के लिए ग्रामीण इलाकों में आज भी लोग देसी और कारगर नुस्खों पर भरोसा करते हैं। घर से बाहर निकलने से पहले यहां के लोग एक खास पारंपरिक ड्रिंक जरूर पीते हैं, जो उन्हें दिनभर तरोताजा बनाए रखता है। यह देसी पेय छाछ और दलिया को मिलाकर तैयार किया जाता है, जिसमें स्वाद बढ़ाने के लिए नमक और भुना हुआ जीरा डाला जाता है। देखने में भले ही साधारण लगे, लेकिन यह ड्रिंक पोषण और ठंडक से भरपूर होता है, जो गर्मी में शरीर को अंदर से मजबूत और हाइड्रेट रखने में मदद करता है। छाछ और दलिया का यह मेल सिर्फ स्वाद ही नहीं, सेहत का भी जबरदस्त कॉम्बिनेशन है। छाछ जहां शरीर को ठंडक पहुंचाकर पाचन तंत्र को मजबूत बनाती है, वहीं दलिया लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करता है, जिससे शरीर दिनभर एक्टिव बना रहता है। जब ये दोनों एक साथ मिलते हैं, तो यह ड्रिंक पूरी तरह संतुलित और पौष्टिक बन जाता है। इसमें डाला गया भुना जीरा पाचन को दुरुस्त करता है, जबकि नमक शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा कर गर्मी से होने वाली कमजोरी से बचाता है। यानी एक गिलास में ठंडक, ताकत और सेहत तीनों का परफेक्ट पैकेज। गर्मियों में ऐसे देसी पेय किसी नेचुरल टॉनिक से कम नहीं होते। यह ड्रिंक शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने के साथ-साथ लू लगने के खतरे को भी काफी हद तक कम कर देता है। सबसे खास बात यह है कि इसे पीने के बाद शरीर अंदर से ठंडा और हल्का महसूस करता है, जिससे दिनभर ताजगी बनी रहती है। साथ ही यह लगातार ऊर्जा देता है, जो तपती गर्मी में शरीर को एक्टिव और हेल्दी बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी होता है। यानी एक साधारण सा देसी पेय, लेकिन फायदे बड़े-बड़े। यही वजह है कि आज भी आधुनिक पेय पदार्थों के दौर में यह देसी ड्रिंक ग्रामीण इलाकों में लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। सरल सामग्री और आसान तरीके से तैयार होने वाला यह पेय गर्मियों में सेहत का एक असरदार मंत्र साबित हो रहा है। खासतौर पर भरतपुर के गांवों में इसे बड़े चाव से पिया जाता है, जहां लोग इसे सिर्फ स्वाद के लिए नहीं, बल्कि शरीर को ठंडा, हाइड्रेट और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए अपनाते हैं। यानी सादगी में छुपा यह देसी नुस्खा आज भी गर्मी से राहत का सबसे भरोसेमंद तरीका बना हुआ है।

चेहरे पर आएगा पार्लर जैसा ग्लो....

हम सभी चाहते हैं कि हमारा चेहरा हमेशा ग्लो करता रहे और उम्र का असर उस पर न दिखे। इसके लिए हम महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स और सीरम पर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि जिस दमकती त्वचा की तलाश आप कर रहे हैं, उसका राज आपके फलों की टोकरी में ही छिपा है? जी हां, अगली बार संतरा खाने के बाद उसके छिलकों को कूड़ेदान में फेंकने की गलती न करें। इन छिलकों में विटामिन-C और एंटीऑक्सीडेंट्स का भंडार होता है, जो त्वचा के कोलाजन को बढ़ाने और झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आप घर बैठे अपना खुद का 'सिट्रस मिरेकल' सीरम तैयार कर सकते हैं।

सीरम बनाने के लिए जरूरी सामान-

2-3 ऑर्गेनिक संतरे : कोशिश करें कि संतरे ऑर्गेनिक हों ताकि पेस्टिसाइड्स का खतरा न रहे।
2 बड़े चम्मच गुलाब जल (Rose Water) : यह त्वचा को ताजगी देता है।
1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल (Aloe Vera Gel) : यह सीरम को एक स्मूथ बेस देगा।
छोटा चम्मच ग्लिसरीन (Vegetable Glycerin) : त्वचा में नमी को लॉक करने के लिए।
2 विटामिन-E कैप्सूल (Vitamin E Capsules) : यह एंटीऑक्सीडेंट का काम करता है।

बनाने की स्टेप-बाय-स्टेप विधि-

1. छिलकों का पाउडर तैयार करें : सबसे पहले संतरों को अच्छी तरह धो लें और उनका छिलका उतार लें। छिलकों के अंदर के सफेद कड़वे हिस्से को खुरच कर निकाल दें। अब इन्हें धूप में सुखा लें या ओवन में बिल्कुल कम तापमान पर सुखाएं। जब ये पूरी तरह सूख जाएं, तो इन्हें मिक्सी में पीसकर बारीक पाउडर बना लें। पाउडर को छलनी से जरूर छान लें ताकि कोई मोटा दाना न रहे।
2. विटामिन-C का अर्क निकालें : एक छोटे बाउल में एक चम्मच संतरा पाउडर और दो चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इसे ढककर 4 से 6 घंटे के लिए छोड़ दें। यह समय बहुत जरूरी है क्योंकि इसी दौरान पाउडर से विटामिन-C गुलाब जल में घुलता है। इसके बाद एक सूती कपड़े या कॉफी फिल्टर से इसे छान लें।
3. सीरम को मिक्स करें : छने हुए अर्क में एलोवेरा जेल, ग्लिसरीन और विटामिन-E कैप्सूल का तेल मिलाएं। इसे तब तक फेंटें जब तक यह एक गाढ़ा जेल जैसा न दिखने लगे।

स्टोर करने का तरीका- इस सीरम को किसी गहरे रंग की कांच की बोतल (जैसे एम्बर या डार्क ब्लू) में भरें, क्योंकि रोशनी से विटामिन-C खराब हो जाता है। इसमें कोई केमिकल प्रिजर्वेटिव नहीं है, इसलिए इसे हमेशा फ्रिज (Refrigerator) में ही रखें।

इस्तेमाल करने का तरीका- रोजाना चेहरा साफ करने के बाद 3-4 बूंदें चेहरे पर लगाकर ऊपर की ओर मसाज करें। अगर आप इसे सुबह लगा रहे हैं, तो इसके ऊपर सनस्क्रीन (Sunscreen) लगाना बिल्कुल न भूलें। विटामिन-C लगाने के बाद त्वचा धूप के प्रति संवेदनशील हो जाती है।

सावधानी की बात- नेचुरल विटामिन-C बहुत जल्दी खराब हो जाता है। अगर आपका सीरम गहरा पीला या भूरा होने लगे या इसमें से गंध आने लगे, तो समझ जाएं कि यह खराब हो गया है। हर 7 से 10 दिन में ताजा सीरम बनाएं। इस्तेमाल से पहले जबड़े के पास पैच टेस्ट (Patch Test) जरूर करें।

एक पेड़ माँ के नाम, एक सोखता संतान के नाम अभियान से हरियाली बढ़ाने और जल संरक्षण पर जोर

सांसद की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक संपन्न

दुर्ग। लोकसभा सांसद विजय बघेल की अध्यक्षता में बुधवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद बघेल ने निर्देशित किया कि जिले में राज्य और केन्द्र शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो और योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएं। सांसद बघेल ने क्षेत्र के समग्र विकास, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में अधिक पौधारोपण करने पर जोर देते हुए «एक पेड़ मां के नाम» और «एक सोखता संतान के नाम» अभियान के तहत व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जल संवर्धन को भी बढ़ावा मिल सके।

सांसद ने कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले मकानों में पौधारोपण को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही नगरीय निकायों में बिल्डिंग परमिशन देते समय रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य रूप से प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने नगरीय निकायों के आयुक्तों को स्वयं क्षेत्र में जाकर कार्यों का निरीक्षण करने को कहा। साथ ही ग्राम पंचायतों में भी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। मनरेगा के तहत प्रत्येक गांव में काम शुरू करने तथा राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अंतर्गत दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। जल जीवन मिशन के तहत हर घर में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने पर बल देते हुए अधिकारियों ने बताया कि निकुम, जेवरा-सिरसाखुर्द-भटगांव, चंदखुरी-कोलिहापुरी-पीसेगांव, अंजोरा-ढाबा, मोतीपुर, ओदरागहन-सुरपा एवं कौही-रानीतराई समूह जलप्रदाय योजनाओं पर कार्य जारी है। सांसद ने लोगों को शुद्ध पेयजल जैसी समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए प्रमुखता से क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग करने को कहा।

सांसद बघेल ने कृषि कार्यों को ध्यान में रखते हुए समय पर खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बारिश से पहले पशुओं का टीकाकरण गांव-गांव में शिविर लगाकर प्राथमिकता से करने को कहा। इसके अलावा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के तहत निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण करने तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत जर्जर सड़कों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुधारने के निर्देश भी दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को खराब सड़कों का निरीक्षण कर शीघ्र सुधार कार्य सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास, सांसद आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण 1.0 एवं 2.0, अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन 2.0, जल जीवन मिशन, पशुपालन, स्वास्थ्य विभाग, स्वच्छ भारत मिशन, समग्र शिक्षा, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित विभिन्न योजनाओं की उपलब्धियों की जानकारी दी।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत बजरंग दुबे ने बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत 28 फरवरी 2026 तक निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 100 प्रतिशत मानव दिवस सृजित किए जा चुके हैं। वहीं मार्च 2026 से मई 2026 तक 65 प्रतिशत मानव दिवस उपलब्ध कराए गए हैं। सांसद श्री बघेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष अवधि में कार्यों में और तेजी लाई जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सके। उन्होंने प्रत्येक गांव में मनरेगा के तहत कार्य प्रारंभ करने और जरूरतमंदों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

जिले में 1550 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित है, जिनमें से 1171 आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु स्वयं के भवन में संचालित है। पीएम केयर्स चिल्ड्रन योजना अंतर्गत जिले में 17 बच्चे चिन्हांकित है जिन्हें योजना के तहत लाभान्वित किया जा रहा है। स्पान्सरशिप योजना अंतर्गत बच्चों को शिक्षा प्रदाय किए जाने प्रतिमाह चार हजार रूपए दिए जा रहे हैं। इस योजना के तहत जिले में 62 बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है।

इस दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सांसद द्वारा दिए गए निर्देशों का परिपालन सुनिश्चित कर जिले में योजनाओं का कारगर क्रियान्वयन किये जाने आश्वस्त किया। वहीं इस दिशा में आवश्यक पहल करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक के दौरान आयुक्त नगर निगम दुर्ग सुमित अग्रवाल, आयुक्त नगर निगम रिसाली मोनिका वर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, जनपद पंचायत सदस्यगण, समिति के सदस्य सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

उपभोक्ता आयोग ने परिवादी को दिलाई नई मशीन

बलौदाबाजार। दुकानदार द्वारा खराब मशीन को वारंटी के अंतर्गत सुधार कर प्रदाय नहीं किये जाने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बलौदाबाजार ने परिवादी को एजेंसी से नई मशीन दिलवाई। आयोग की अध्यक्ष रंजना दत्ता एवं सदस्यगण हरजीत सिंह चांवला व शारदा सोनी ने विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पैजनी निवासी उपभोक्ता तिरिथ राम सोनवानी के प्रकरण एवं नियमों का गहनता से अध्ययन कर सम्बंधित मामले में विरोधी पक्षकार महालक्ष्मी ट्रेडर्स बलौदाबाजार को उपभोक्ता को मानसिक आर्थिक क्षतिपूर्ति तथा वाद-व्यय हेतु कुल 6000/-रूपये भुगतान का आदेश पारित किया गया तथा मशीन में सुधार कार्य मशीन निर्माता कंपनी वर्धा, नागपुर से परिवादी की संतुष्टी योग्य मरम्मत कराकर दिये जाने एवं संतुष्टी योग्य मरम्मत कराकर नहीं दिये जाने पर नया मशीन अथवा नया मशीन की वर्तमान कीमत दिये जाने का आदेश दिया गया। विरोधी पक्षकार महालक्ष्मी ट्रेडर्स बलौदाबाजार के संचालक परेश अग्रवाल ने आयोग के आदेश का त्वरित पालन करते हुये परिवादी को नया मशीन तथा मानसिक आर्थिक क्षतिपूर्ति तथा वाद-व्यय हेतु कुल 6000/-रूपये आयोग के माध्यम से प्रदाय किया।

विकास की वेदी पर बलि चढ़ेंगे गरीबों के आशियाने

रिसाली निगम के पास खाली जमीन के 4 विकल्प, फिर भी आम्बेडकर आवास पर नजर

जोरातराई के आम्बेडकर आवास को तोड़ने का विरोध, कलेक्टर से लगाई गुहार

भिलाई/रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड 37, जोरातराई में स्थित आम्बेडकर आवास को तोड़ने के नोटिस ने स्थानीय निवासियों की चिंता बढ़ा दी है। अस्पताल निर्माण के नाम पर करीब 79 परिवारों को विस्थापित करने की तैयारी का पुरजोर विरोध शुरू हो गया है। बुधवार को पीड़ित परिवारों ने कलेक्टर कार्यालय पहुँचकर ज्ञापन सौंपा और आवास बचाने की गुहार लगाई।

25 साल पुराना है आशियाना- प्रभावित निवासियों ने बताया कि ये आवास सन 2000 में बनाए गए थे, जहाँ लगभग ढाई दशक से अत्यंत गरीब परिवार रह रहे हैं। निगम प्रशासन ने हाल ही में इन मकानों को ढहाने का नोटिस थमाया है। बीते मंगलवार (5 मई) को जब निगम का दस्ता भारी पुलिस बल के साथ तोड़-फोड़ करने पहुँचा, तो महिलाओं और बुजुर्गों ने एकजुट होकर इसका विरोध किया, जिसके बाद अमले को बैरंग लौटना पड़ा।

निवासियों ने सुझाए वैकल्पिक स्थान- कलेक्टर को सौंपे पत्र में वार्डवासियों ने स्पष्ट किया कि वे अस्पताल के निर्माण के विरोधी नहीं हैं, लेकिन गरीबों के घर तोड़ना गलत है। उन्होंने प्रशासन को अस्पताल के लिए चार वैकल्पिक स्थान सुझाए हैं:

1. पुराना स्कूल परिसर की खाली जमीन।
2. बाग पारा मंच के पास उपलब्ध मैदान।
3. फाइव स्टार क्षेत्र की रिक्त भूमि।
4. राशन दुकान के सामने स्थित सरकारी जमीन।

कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग- निवासियों का कहना है कि प्रशासन बिना तोड़-फोड़ किए भी अस्पताल बनवा सकता है। उन्होंने मांग की है कि जब तक वैकल्पिक भूमि पर विचार नहीं किया जाता, तब तक तोड़-फोड़ की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि उनके सिर से छत छीनी गई, तो वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे।

शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

भिलाई आईटीआई में 11 मई को प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन

दुर्ग। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) भिलाई द्वारा क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। आगामी 11 मई 2026, सोमवार को आदर्श शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, जी.ई. रोड पावरहाउस भिलाई में प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा।

आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिलाई के प्राचार्य से प्राप्त जानकारी अनुसार यह मेला सुबह 09.30 बजे से प्रारंभ होगा। इसमें सम्मिलित होने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची, आईटीआई उत्तीर्ण अंकसूची एवं सर्टिफिकेट, नवीनतम रिज्यूम (बायोडाटा) और आधार कार्ड एवं अन्य आवश्यक मूल दस्तावेज के साथ मेला में उपस्थित हो सकते है। मेला के माध्यम से भर्ती हेतु नियोजक एसीसी लिमिटेड जामुल सीमेंट वर्क्स भिलाई द्वारा फिटर 03, वेल्डर 02, इलेक्ट्रिशियन 02, टर्नर 01, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक 01, डीज़ल मैकेनिक 01, नियोजक एसीएमई ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड भिलाई द्वारा इलेक्ट्रिशियन 01, नियोजक सिम्प्लेक्स कास्टिंग्स भिलाई द्वारा फाउंड्रीमैन 04, फिटर 04, वेल्डर 04, टर्नर 02, नियोजक विष्णु केमिकल्स भिलाई द्वारा फिटर 10, इलेक्ट्रिशियन 03 और बोस्लोह बीके कास्टिंग्स लिमिटेड भिलाई द्वारा मशीनिस्ट 01, फिटर 03, कारपेंटर 01, फाउंड्रीमैन 02, मेसन 01 शामिल है।

अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र : गांव –गांव पहुंची बैंकिंग सुविधा, सालभर में 27करोड़ से अधिक का ट्रांजेक्शन

बलौदाबाजार। बैंकिंग कार्य के लिये शहर न जाना पड़े बल्कि गांव में ही सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विगत वर्ष अप्रैल माह में प्रदेश में अटल डिजिटल सेवा केंद्र की शुरुआत की है। इस केन्द्र के शुरू होने से अब गांव में ही बैंकिंग सुविधा के साथ विभिन्न योजनाओं के तहत कार्ड, प्रमाण पत्र भी आसानी से प्राप्त हो रहे है। बलौदाबाजार -भाटापारा जिले में 381 गांव में अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र संचालित है जिसमें एक वर्ष में 27 करोड़ 8 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है। इसमें विकासखंड बलौदाबाजार के 76 केंद्रों में 8 करोड़ 56 लाख, भाटापारा के 69 केंद्रों में 4 करोड़ 94 लाख, कसडोल के 92 केंद्रों में 5 करोड़ 62 लाख,पलारी के 6 3 केंद्रों में 5 करोड़ 10 लाख एवं विकासखंड सिमगा के 81 केंद्रों में 2 करोड़ 93 लाख शामिल है। अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों ने बैंकिंग सेवाओं को ग्रामीणों के घर के दरवाजे तक पहुँचा दिया है। इन केंद्रों के माध्यम से मुख्य रूप से आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम के जरिए ग्रामीण अपने बैंक खातों से आसानी से लेन-देन कर रहे हैं। वृद्धावस्था पेंशन, किसान सम्मान निधि और मनरेगा की राशि निकालने में बुजुर्गों और किसानों को बड़ी राहत मिली है।बैंकिंग के साथ-साथ ये केंद्र ग्रामीणों को डिजिटल लेन-देन के प्रति जागरूक भी कर रहे हैं। एक वर्ष के भीतर 27 करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी का प्रवाह सुगम हुआ है। इससे न केवल स्थानीय व्यापारियों को लाभ हो रहा है, बल्कि ग्रामीणों के समय और परिवहन पर होने वाले खर्च की भी बचत हो रही है।

दूषित पानी की सप्लाई से रामनगर मुक्तिधाम क्षेत्र में बीमारी का खतरा

स्वाभिमान मंच ने कलेक्टर से की शिकायत

भिलाई। भिलाई नगर निगम के वार्ड क्रमांक 14, रामनगर मुक्तिधाम क्षेत्र में पिछले कई दिनों से हो रही दूषित और बदबूदार पानी की आपूर्ति ने जन स्वास्थ्य को खतरे में डाल दिया है। इस गंभीर समस्या को लेकर 'छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच' ने कड़ा रुख अपनाते हुए दुर्ग कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूरन लाल साहू ने बताया कि वार्ड के निवासी नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। नलों से मटमैला और दुर्गंधयुक्त पानी आ रहा है, जिसके सेवन से क्षेत्र में डायरिया, पीलिया और पेट संबंधी बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ गई है। बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर पड़ रहा है।

निगम प्रशासन पर लापरवाही का आरोप- पूरन लाल साहू ने कहा कि नगर निगम प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। पाइपलाइन में लीकेज या गंदगी मिलने की शिकायत के बावजूद अधिकारी मौन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आम जनता के मौलिक अधिकार 'स्वच्छ जल' का उल्लंघन है।

स्वाभिमान मंच की मांगें- प्रभावित क्षेत्र में तत्काल टैंकरों के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की सप्लाई शुरू की जाए,पाइपलाइन के लीकेज को युद्धस्तर पर दुरुस्त किया जाए,लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर दंडात्मक कार्यवाही हो।

मंच ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पेयजल व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो जनहित में छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस दौरान संगठन के प्रमुख पदाधिकारी और वार्ड के त्रस्त नागरिक उपस्थित थे।

सही दवा-शुद्ध आहार अभियान : तंबाकू व खाद्य विक्रेताओं पर सघन जांच

दुर्ग । राज्य शासन द्वारा 11 मई तक ''सही दवा-शुद्ध आहार - यही छत्तीसगढ़ का आधार'' थीम के अंतर्गत 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित किये जाने हेतु प्रत्येक जिले में कार्यरत खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है।

औषधि शाखा द्वारा अभियान के दसवें दिवस चतुर्थ चरण के प्रथम दिवस आज 06 मई को कोटपा एक्ट के अंतर्गत जिले के जुनवानी, नेहरू नगर एवं स्मृति नगर क्षेत्र में तम्बाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों के बारे में जन जागरूकता लाते हुए जिन पान ठेलों एवं होटलों में कोटपा एक्ट के उल्लंघन पाए गए ऐसे 32 जगहों पर औषधि निरीक्षकों एवं पुलिस दल द्वारा नियमानुसार चालानी कार्यवाही की गई। कोटपा एक्ट के तहत् इस प्रकार की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। इसी प्रकार खाद्य शाखा द्वारा जिले में संचालित कंफेक्शनरी, कैण्डी एवं चॉकलेट विक्रेता जिसमें मेसर्स पूजा स्वीट्स, मेसर्स जय बाबा ट्रेडर्स, गोपी स्वीट्स, लक्की स्वीट्स, लिंक रोड, पावर हाउस, भिलाई एवं मेसर्स मनोज कंफेक्शनरी, ए.एन. प्रोडक्ट, भिलाई-03, की जांच/निरीक्षण खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत् किया गया, जिसमें संचालकों को उचित साफ-सफाई के साथ व्यवसाय संचालित किये जाने एवं साथ ही साथ निर्देशित किया गया कि नियमों का उल्लंघन पाये जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

"विकसित कृषि संकल्प अभियान" का दुर्ग में हुआ भव्य शुभांरभ

किसानों को उन्नत तकनीकों और योजनाओं की दी जाएगी जानकारी, वैज्ञानिक करेंगे गांव-गांव संवाद

दुर्ग। जिले में 05 से 20 मई 25 तक ''विकसित कृषि संकल्प अभियान'' खरीफ 2026 प्रारंभ होने के पूर्व कृषि कार्यों की तैयारी आधुनिक तकनीकों, किसानों के लिए उपयोगी विभिन्न विभागीय योजनाओं फसलवार अनुशंसित मात्रा अनुसार संतुलित उर्वरक के प्रति जागरूक करने तथा किसानों के द्वारा फीडबैक के आधार कृषि अनुसंधान हेतु आवश्यक दिशा निर्धारण के उद्देश्यों से अभियान चलाया जाएगा।

जिले में इस अभियान के क्रियान्वयन के लिए कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछलीपालन विभाग के अधिकारियों को शामिल कर 02 टीमें प्रति विकासखण्ड हेतु बनाई गई हैं। प्रत्येक टीम एक दिन में एक ग्राम में जाएगी एवं जिले में कुल 72 ग्रामों में शिविर आयोजित कर किसानों से सीधा संवाद करेंगी। साथ ही किसानों से खेती संबंधी समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान बनायेगी। कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछलीपालन विभाग के अधिकारी विभागीय योजनाओं की जानकारी किसानों के साथ साझा करेंगे, जिससे किसान शासन की योजनाओं का आसानी पूर्वक लाभ ले सकें।

विकासखण्ड पाटन हेतु रथ की रवानगी प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरूण साव एवं सासंद दुर्ग विजय बघेल विकासखण्ड दुर्ग हेतु रथ को तथा विकासखण्ड धमधा हेतु रथ की रवानगी अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर आई.सी.ए.आर./कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकगण, कृषि/ उद्यानिकी/ मत्स्य पालन/पशुपालन विभाग के अधिकारीगण तथा कृषकगण उपस्थित रहें। जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेकर उन्नत कृषि तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त करें तथा शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लें और वैज्ञानिकों से प्रत्यक्ष संवाद कर अपनी कृषि संबंधी समस्याओं का निराकरण पायें।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com